आज का विचार

जीवन की सबसे कठिन परिस्थितियों में आप अकेले ही होंगे और यही समय आपको बुद्धिमान, समझदार, ताकतवर और निडर बनाएगा।

www.ambikavani.com

अम्बिकावाणी

संस्थापक : स्व. श्रीकिशन असावा एवं स्व. श्री गोपाल असावा

■ वर्ष-25 अंक-357 ■ पृष्ठ-8 ■ मूल्य 2.50 ■ प्रधान संपादक- महेन्द्र सिंह टुटेजा, ● प्रबंध संपादक-नरेन्द्र सिंह टुटेजा

बैकुण्ठपुर मंगलवार 24 जून, 2025

खनिज एवं राजस्व विभाग की संयुक्त कार्रवाई में 7 वाहन जब्त

बल्लेबाजी स्टाइल में बदलाव से शुभमन बेहतर हुए -कोटक

पहला कॉलम

सूटकेस में मिला युवक का शव, हत्या कर सीमेंट भरकर सुनसान इलाके में फेंका

रायपुर। राजधानी रायपुर में सोमवार को एक सनसनीखेज हत्या का मामला सामने आया है। डीडी नगर थाना अंतर्गत इंद्रप्रस्थ कॉलोनी इलाके में एक युवक की लाश सूटकेस में बंद मिली है। शव को ठिकाने लगाने के लिए आरोपी ने सूटकेस के भीतर सीमेंट डालकर उसे एक पेटी में बंद कर सुनसान इलाके में छोड़ दिया।

स्थानीय लोगों ने पुलिस को दी सूचना

स्थानीय लोगों ने बदबू आने पर इसकी सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस और फोरेंसिक टीम ने शव को बरामद कर जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में हत्या कर शव को छुपाने के उद्देश्य से यह तरीका अपनाए जाने की आशंका जताई जा रही है।

मामला दर्जकर, पुलिस जांच में जुटी

फिलहाल युवक की पहचान नहीं हो सकी है। शव की स्थिति को देखते हुए पुलिस अनुमान लगा रही है कि हत्या दो से तीन दिन पहले की गई होगी। पुलिस आसपास के इलाकों के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है और लापता व्यक्तियों की सूची से शव की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है।

कुछ अलग

29 जून को 18 साल बाद बनेगा महालक्ष्मी राजयोग, इन तीन राशियों की चमक जाएगी किस्मत

इंदौर। मंगल इस समय सिंह राशि में मौजूद हैं। २९ जून २०२५ को चंद्रमा के सिंह राशि में प्रवेश होगा। ऐसे में मंगल और चंद्रमा के सिंह राशि में मिलन से महालक्ष्मी राजयोग का निर्माण होगा। यह योग वृषभ सहित कुछ राशियों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगा।

इन राशियों को करियर, व्यापार और प्रॉपर्टी के क्षेत्र में विशेष सफलता मिलने की आशा है। आर्थिक लाभ, मान-सम्मान और पारिवारिक सुख में वृद्धि होगी। मंगल और चंद्रमा की यह युति शुभ फल देने वाली है, जिससे जातकों के अटके काम पूरे होंगे। उनको भाग्य का प्रबल साथ मिलेगा।

वृषभ राशि

वृषभ राशि के जातकों के लिए महालक्ष्मी राजयोग बहुत ही लाभकारी होने वाला है। उनके किए गए निवेश अब लाभ देंगे। इस दौरान परिवार के साथ अच्छे संबंध स्थापित होंगे। घर के क्लेश दूर होंगे। जमीन, वाहन या घर खरीदने की संभावना है।

महालक्ष्मी राजयोग का सबसे ज्यादा फायदा मार्केटिंग, सेल्स में काम करने वाले लोगों को होगा। आपके इस दौरान रुके हुए काम पूरे होंगे। समाज में यश मिलेगा।

कर्क राशि

महालक्ष्मी योग के दौरान कर्क राशि वालों को सभी समस्याएं धीरे-धीरे कर खत्म हो जाएंगी। पैतृक संपत्ति पर चल रहा विवाद सुलझ जाएगा। नौकरीपेशा जातकों के काम की तारीफ उनके सीनियर्स भी करेंगे। इस दौरान प्रमोशन मिलने की पूरी संभावना है।

खरी-खरी

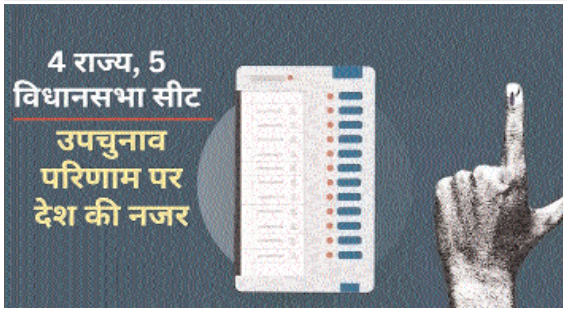

लुधियाना में आप की जीत, नीलांबुर में कांग्रेस, तो गुजरात की कडी सीट पर भाजपा का कब्जा बरकरार

◆ भाजपा, आप और कांग्रेस की प्रतिष्ठा दांव पर ◆ बंगाल और केरल में अगले साल होने हैं चुनाव ◆ केरल में प्रियंका वाड्रा की इज्जत का भी सवाल था

नई दिल्ली । पश्चिम बंगाल, पंजाब, केरल और गुजरात की पांच सीटों के लिए १९ जून को मतदान हुआ था। इन सीटों के नतीजे से प्रदेश की मौजूदा सरकारों पर कोई असर नहीं पड़ेगा, लेकिन भाजपा, कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के मैदान में होने से राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा जरूर हो रही है।

चुनावों के नतीजों को भाजपा और इंडिया ब्लॉक की राजनीतिक क्षमता के रूप में देखा जाएगा, खासकर पश्चिम बंगाल और केरल में, जहां अगले साल चुनाव होने हैं। दिल्ली विधानसभा चुनावों में हार के बाद से लो प्रोफाइल हुआ आप के प्रदर्शन पर भी गुजरात और पंजाब में कड़ी नजर रखी थी।

विसावदर (गुजरात): आप जीती
कडी(गुजरात): बीजेपी जीती
लुधियाना पश्चिम (पंजाब): आप जीती
नीलांबुर (केरल): कांग्रेस जीती

कांग्रेस ने केरल के नीलांबुर में जीत दर्ज कर ली है। कांग्रेस प्रत्याशी आर्यदान शौकतने १०९२८ वोटों से जीत हासिल की है। १९ राउंड की काउंटिंग में उन्हें ७७ हजार से ज्यादा वोट मिले हैं। वहीं, सीपीआई (एम) के उम्मीदवार एम.स्वराज ६६१५९ वोटों के साथ दूसरे नंबर पर रहे।

इस मुकाबले को कांग्रेस की प्रियंका गांधी वाड्रा के लिए प्रतिष्ठा की लड़ाई के तौर पर देखा जा रहा था। यह सीट उनके वायनाड निर्वाचन क्षेत्र में आती है और उन्होंने १९ जून को होने वाले उपचुनाव से पहले इस क्षेत्र में रोड शो किया था।

विसावदर विधानसभा सीट पर आम आदमी पार्टी ने जीत तर्ज कर ली है। इस सीट पर भाजपा को २००७ से जीत नहीं मिली है। तत्कालीन आप विधायक भूपेंद्र भयानी के इस्तीफा देने और भाजपा में शामिल होने के बाद यह सीट २०२३ से खाली थी। इस उपचुनाव के लिए भाजपा ने किरीट पटेल को चुना था, जबकि कांग्रेस और आप ने क्रमशः नितिन रणपरिया और अपने पूर्व गुजरात अध्यक्ष गोपाल इटालिया को मैदान में उतारा था।

इस बीच, भाजपा विधायक करसन सोलंकी के निधन के कारण फरवरी से कडी सीट खाली थी। इस सीट पर भाजपा ने जीत दर्ज कर ली है। भाजपा के राजेंद्र कुमार (राजुभाई) छाबड़ा ने ९९७४२ मतों से जीत हासिल की है। वहीं, कांग्रेस के रमेशभाई छाबड़ा ६०२९० मतों के साथ दूसरे स्थान पर रहे। तीसरे नंबर पर्‍क्क प्रत्याशी जगदीशभाई छाबड़ा को ३०९० वोट मिले।

बंगाल की कालीगंज सीट पर टीएमसी ने जीत दर्ज कर ली है। फरवरी में तृणमूल कांग्रेस के विधायक नसीरुद्दीन अहमद की मृत्यु के कारण उपचुनाव हुआ था। अब, उनकी बेटी अलीफा अहमद सत्तारूढ़ पार्टी के उम्मीदवार के रूप में सीट बरकरार रखने में सफल रही हैं।

भाजपा ने इस सीट के लिए आशीष घोष को मैदान में उतारा था, जबकि कांग्रेस ने काबिल उद्दीन शेख को चुना था, जिन्होंने सीपीआई (एम) के समर्थन से चुनाव लड़ा था।

पंजाब में लुधियाना पश्चिम सीट पर आम आदमी पार्टी के संजीव अरोड़ा ने १०,६३७ वोटों से कांग्रेस प्रत्याशी को हरा दिया है। इसी साल जनवरी में आप विधायक गुरप्रीत बस्सी गोगी की मौत के बाद खाली हुई थी। इस सीट पर भाजपा के जीवन गुप्ता और कांग्रेस के दिग्गज नेता भारत भूषण आशु से त्रिकोणीय मुकाबला था। शिरोमणि अकाली दल ने परुपकर सिंह घुमन को अपना उम्मीदवार बनाया था।

दुबई में हुई थी जिम ट्रेनर की मौत, शव देख परिजन बोले- सिर और हाथ कुचला हुआ था

ग्वालियर। ग्वालियर के जिम ट्रेनर सूरज का शव रविवार शाम दुबई से ग्वालियर लाया गया। उसकी संदिग्ध परिस्थितियों में २६ मई को मौत हो गई थी। २३ दिन बाद शव लाए जाने से क्षत विक्षत होने लगा था। शव देखकर लग रहा था कि सिर व हाथ कुचले गए हों। इंद्रमणि नगर श्मशान घाट पर जिम ट्रेनर का अंतिम संस्कार किया गया है।

परिजन का कहना है कि उसकी पोस्टमार्टम रिपोर्ट तक नहीं भेजी गई है, जिससे पता चल सके कि मौत कैसे हुई? उन्होंने केंद्र सरकार से मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। शहर के गोला का मंदिर थाना स्थित सैनिक कालोनी निवासी ३२ वर्षीय सूरज शर्मा जिम ट्रेनर था। वह पिछले महीने २३ मई को दुबई पहुंचा था। २६ मई को दुबई में संदिग्ध हालात में हुए उसकी मौत हो गई।

सड़क हादसे में मौत होने की संभावना

सूरज की मौत की जानकारी १७ जून को दुबई में रहने वाले सामाजिक कार्यकर्ता ने ग्वालियर साइबर सेल को ईमेल के जरिए दी। मेल में सूरज का पासपोर्ट और फोटो अटैच किया था। सूरज की मौत एक सड़क दुर्घटना में होना बताई जा रही थी। उसके बाद सूरज के पिता कृष्णा शर्मा और उसकी पत्नी चेतना शर्मा ने जिम ट्रेनर की बॉडी को ग्वालियर लाने के लिए प्रयास किए।

जनप्रतिनिधियों ने नहीं की कोई मदद

इस दौरान ग्वालियर से लेकर दिल्ली तक एक भी जनप्रतिनिधि ने उनकी मदद नहीं की। कोई उनसे मिलने तक नहीं पहुंचा। दिल्ली में परिजन दूतावास पहुंचे, वहां से भी कोई मदद नहीं मिली, तो केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया से मदद की गुहार लगाई थी। ज्योतिरादित्य सिंधिया ने मदद का आश्वासन दिया था।

टेक-ऑफ से ठीक पहले पायलट को मिला सिग्नल, इंडिगो की फ्लाइट में तकनीकी गड़बड़ी

इंदौर। इंदौर के देवी अहिल्याबाई होलकर एयरपोर्ट पर सोमवार सुबह भुवनेश्वर जाने वाली इंडिगों एयरलाइंस की उड़ान को तकनीकी खराबी के कारण रनवे से वापस लौटना पड़ा। फ्लाइट संख्या ६श्व ६३३२ जैसे ही टेकआफ के लिए रनवे पर पहुंची, तभी पायलट को एक तकनीकी समस्या का संकेत मिला। मामले को गंभीरता से लेते हुए पायलट ने तुरंत एटीसी को सूचना दी और उड़ान को रोककर विमान को सुरक्षित रूप से टर्मिनल की ओर लौट आए।

विमान में मौजूद यात्रियों में घबराहट

इंदौर एयरपोर्ट पर बोर्डिंग पूरी होने के बाद इंदौर-भुवनेश्वर उड़ान रनवे की तरफ रवाना हुई और यात्रियों को सीट बेल्ट बांधने की सूचना क्रू मेंबर द्वारा दी गई। रनवे पर टेकऑफ की तैयारी कर रही उड़ान में तकनीकी समस्या सामने आने के बाद वापस उड़ान टर्मिनल की तरफ बढ़ गई। इस दौरान विमान में मौजूद यात्रियों में घबराहट फैल गई।

इंजीनियरिंग टीम ने विमान की जांच की

क्रू मेंबर्स ने यात्रियों को बताया कि उड़ान में सिर्फ मामूली तकनीकी गड़बड़ी है, जिसे कुछ समय में ठीक कर लिया जाएगा। यात्रियों को विमान में ही बैठाए रखा और एयरलाइंस की इंजीनियरिंग टीम ने विमान की जांच शुरू की। जांच में तकनीकी गड़बड़ी सामने आने के बाद इसको ठीक कर दिया गया।

डेढ़ घंटे बाद रवाना हुई उड़ान

भुवनेश्वर उड़ान को सुबह ९ बजे इंदौर से रवाना होना था, लेकिन तकनीकी सुधार के बाद यह १०.३० बजे रवाना हो सकी। करीब डेढ़ घंटे यात्री विमान में ही बैठे रहे और सुधार का इंतजार करते रहे। सुधार के बाद जैसे ही यात्रियों को दुबारा उड़ान शुरू होने की जानकारी मिली उन्होंने राहत की सांस ली। विमान में गड़बड़ी की सूचना के बाद यात्रियों को अहमदाबाद विमान हादसे की याद आ गई। उन्होंने राहत की सांस ली कि गड़बड़ी उड़ान के दौरान सामने नहीं आई।

७.३९ को भुवनेश्वर से आई थी उड़ान

इंदौर-भुवनेश्वर उडाऩ भुवनेश्वर से रवाना होकर सुबह ८.१५ बजे इंदौर पहुंचती है। सोमवार को यह उड़ान अपने तय समय से ३५ मिनट पहले ७.३९ बजे इंदौर पहुंच गई थी। वापसी में ८.५० बजे उड़ान को बोडिंग पूरी कर रनवे की तरफ रवाना किया गया। ९ बजे जैसे ही टेकऑफ की तैयारी की जा रही थी, तभी खराबी की जानकारी सामने आई।

बांग्लादेश में पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त गिरफ्तार, भीड़ ने किया हमला...जूतों से की पिटाई, फिर मारे अंडे

बांग्लादेश। बांग्लादेश में अंदरूनी हालात ठीक नहीं है, जहां पहले शेख हसीना को सत्ता से बेदखल होना पड़ा। अब वहीं बांग्लादेश के पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) नूरुल हुदा पर रविवार देर रात बांग्लादेश की राजधानी ढाका में भीड़ ने हमला कर दिया और उनके साथ मारपीट की। ये सब तब हुआ जब बांग्लादेश के पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त केएम नूरुल हुदा को गिरफ्तार किया गया। उन पर अपने कार्यकाल के दौरान चुनावों में हेराफेरी करने का आरोप लगा है।

पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त को भीड़ ने पीटा, दीं गालियां

सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में लोगों का एक समूह हुदा को जूतों से पीटता, उन्हें जूतों की माला पहनाता और उनके ऊपर अंडे फेंकता हुआ दिखाई दे रहा है। वीडियो में भीड़ उन्हें गंदी भाषा में गालियां देती और पुलिस के मौके पर पहुंचने के बाद भी उन्हें पीटती नजर आ रही है। हुदा पर हमले से सोशल मीडिया पर हंगामा मच गया, जिसके कारण मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार को आधी रात के आसपास एक बयान जारी करना पड़ा।

पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त पर भीड़ ने किया हमला

डेली स्टार अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, चुनाव आयोग के अधिकारियों ने कहा कि यह शायद पहली बार है कि किसी पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त को चुनाव से जुड़े मुद्दों पर हिरासत में लिया गया है। उत्तरा पश्चिम पुलिस स्टेशन के प्रमुख हफीजुर रहमान ने कहा, ₹हमें सूचना मिली थी कि भीड़ ने हुदा को घेर लिया है, जिसके बाद हम घटनास्थल पर गए। हमने उसे हिरासत में ले लिया है।₹

क्या है पूरा मामला?

बीएनपी ने नुरुल हुदा समेत १९ लोगों के खिलाफ चुनाव में धांधली करने की शिकायत दर्ज कराई। आरोपियों में पूर्व पीएम शेख हसीना का नाम भी शामिल है। हुदा को सोमवार को अदालत में पेश किया जाएगा। हुदा के नेतृत्व में ही बांग्लादेश में साल २०१४, २०१८ और २०२४ के आम चुनाव कराए गए। बीएनपी का आरोप है कि इन चुनाव में लोगों के जनादेश के बगैर शेख हसीना को जीत मिली।

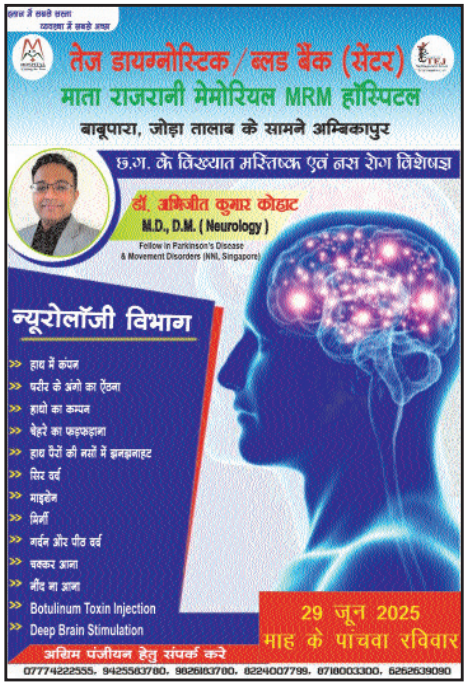

पहला कालम

खनिज एवं राजस्व विभाग की संयुक्त कार्रवाई में 7 वाहन जब्त

बिश्रामपुर(अम्बिकावाणी समाचार)।
जिले में अवैध खनन और खनिज परिवहन पर कलेक्टर एस. जयवर्धन के निर्देश के बाद प्रशासन ने लगातार कार्रवाई शुरू कर दी है। खनिज एवं राजस्व विभाग की संयुक्त टीम ने विभिन्न क्षेत्रों में छापेमारी कर ७ वाहनों को जब्त किया है। प्रशासन की संयुक्त टीम ने ग्राम पंचायत कुरुवां व चाचीडांड खड़गवां क्षेत्र में छापेमारी कर अवैध रेत परिवहन में संलिप्त ४ वाहनों को धर दबोचा। पकड़े गए इन सभी वाहनों को संबंधित थाना क्षेत्रों प्रतापपुर, खड़गवां और जयनगर थानों में सुरक्षा अभिरक्षा में रखा गया है, ताकि आगे की विधिक प्रक्रिया पूरी की जा सके। बताया जा रहा है कि दो दिन पहले ही लटोरी क्षेत्र में भी खनिज माफियाओं के खिलाफ शिकंजा कसते हुए प्रशासन ने ३ अलग-अलग मामलों में वाहन जब्त किए थे, जिनमें गिट्टी, रेत और मिट्टी-ईंट का अवैध परिवहन किया जा रहा था। खनिज विभाग ने स्पष्ट किया है कि अवैध खनिज परिवहन में संलिप्त सभी वाहनों के मालिकों के विरुद्ध खनिज नियमों के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर एस. जयवर्धन द्वारा अवैध खनन पर सख्ती के निर्देश के बाद जिले में खनिज माफियाओं की गतिविधियों पर लगातार निगरानी की जा रही है। इस अभियान का उद्देश्य जिले में खनिज संपदाओं की लूट पर अंकुश लगाना और प्राकृतिक संसाधनों का संतुलित दोहन सुनिश्चित करना है। ज्ञात हो कि १५ जून से रेत उत्खनन व परिवहन कार्य पूर्ण रूप से अंकुश लगाए जाने के बाद भी धड़ल्ले के साथ अवैध कार्य

माउंट लिट्रा जी स्कूल में मनाया गया अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस दिवस

अम्बिकापुर(अम्बिकावाणी समाचार)।
माउंट लिट्रा जी स्कूल में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया।योग प्रशिक्षिको के द्वारा सभी बच्चों एवं शिक्षकों को योग प्रशिक्षण दिया गया। इसमें उन्होंने योग के अलग-अलग योगासन एवं उसमें होने वाले लाभों को बताया - जैसे ताड़ासन, वज्रासन ,धनुरासन , वृक्षासन, शीर्षासन ,भुजंगासन ,पद्मासन तथा मेडिटेशन कराया गया। योग दिवस के अवसर पर विद्यालय की प्राचार्या वर्षा अग्रवाल ने सभी बच्चों को योग के लाभ के बारे में बताते हुए कहा कि योग व्यायाम का ऐसा प्रभावशाली प्रकार है जिसके माध्यम से न केवल शरीर के अंगों बल्कि मन मस्तिष्क और आत्मा में संतुलन बनाया जाता है, यही कारण है कि योग को शारीरिक व्याधियों के अलावा मानसिक समस्याओं से भी निजात पाई जा सकती है। योग हमें सिखाता है कि कैसे हम अपनी व्यस्त और तनाव भरी जिंदगी में भी अपने शरीर और मन का ख्याल रख सकते हैं ।यह हमें अंदर की शांति और बाहर की सेहत दोनों को पाने का रास्ता दिखाता है । हमें योग को अपनी जिंदगी का हिस्सा बनना चाहिए और उसके अनमोल फायदे को अपनाकर ना केवल अपनी जिंदगी को बेहतर बनाएं बल्कि एक स्वस्थ एवं संतुलित समाज बनाने में भी योगदान देना चाहिए क्योंकि एक स्वस्थ नागरिक ही बेहतर समाज का निर्माण कर सकता है । उन्होंने बच्चों से कहा कि योगाभ्यास हमें प्रतिदिन करना चाहिए क्योंकि जब हम योग करते हैं तो हमारा मन शांत और प्रसन्न रहता है। जिससे हमें पढ़ाई में बेहतर ध्यान केंद्रित करने और चीजों को याद करने में मदद मिलती है। इस दौरान विद्यालय के निदेशकगण के. पी. दीक्षित, उत्तम सिंह सिसोदिया,भारत सिंह सिसोदिया,राजीव अग्रवाल,दीपेश गुप्ता,प्रतीक दीक्षित एवं नितेश मेहता ने छात्र-छात्राओं को योग दिवस की बधाई दी और निरोग्य रहने की कामना की।

बारिश का हवाला दे बेदखली कार्यवाही का कोरम किया पूरा

बिश्रामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)।
नगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के पीछे ग्राम सतपता में स्थित करीब पौने दो एकड़ शासकीय भूमि पर अतिक्रमण के मामले में आज पिलखा नायब तहसीलदार ने मौके पर आधी अधूरी बेदखली कार्यवाही की है। गौरतलब है कि सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बिश्रामपुर के पीछे ग्राम सतपता में स्थित करीब पौने दो एकड़ शासकीय भूमि पर गांव के दुर्गा यादव, बली राम, हंस राज, विनोद यादव व अन्य लोगों द्वारा करीब पौने दो एकड़ शासकीय भूमि पर अवैध रूप से कब्जा कर लिया गया है। जिसमें विजय शर्मा द्वारा आपत्ति दर्ज कराए जाने उपरांत न्यायालय से अवैध कब्जा के खिलाफ कार्यवाही के निर्देश दिए हैं बावजूद इसके आज वर्षों बाद भी अवैध कब्जे पर बेदखली कार्यवाही पूर्ण रूप से नहीं की जा सकी है। इसी तारतम्य में सोमवार को पिलखा नायब तहसीलदार मीना सिंह राजस्व व पुलिस की संयुक्त टीम के साथ जेसीबी मशीन लेकर मौके पर पहुंचीं और मौके पर बना झाला व बाउंड्रीवाल को गिरवा दिया है। अब यहां पर शासकीय भूमि पर बने मकान को बारिश की वजह से फिलहाल छोड़ दिए जाने की बात कही जा रही है। प्रार्थी विजय शर्मा ने बताया कि न्यायालय के आदेश के बाद भी विभागीय अधिकारियों द्वारा अब तक कार्यवाही पूर्ण नहीं कर पाना कई सवालों को जन्म दे रहा है। यहां पर वर्ष २०१८, २०१९, २०२२, २०२४ से कार्यवाही की प्रक्रिया चल रही है, लेकिन हर बार कुछ ना कुछ स्थिति का हवाला देकर कार्यवाही की केवल कोरमपूर्ति की जा रही है। उन्होंने विभागीय अधिकारियों से जल्द ही मामले पर कार्यवाही पूर्ण करते हुए मामले का पटाक्षेप किए जाने की मांग की है।

जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आज

बलरामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। कलेक्टर श्री राजेंद्र कटारा की अध्यक्षता एवं पुलिस अधीक्षक श्री बैंकर वैभव रमनलाल की उपस्थिति में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक २४ जून को समय-सीमा की बैठक पश्चात आहूत की गई है। कलेक्टर श्री कटारा ने बैठक में संबंधित सदस्यों एवं विभागों के अधिकारियों को समय पर उपस्थित रहने के निर्देश दिए हैं।

यात्री शिकायतों के समाधान पर ध्यान केंद्रित करने के लिए एकजुट हुए रेलवे के पुलिस अधिकारी

बिश्रामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)।
रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के समन्वय में रेल मंत्रालय के साथ राजकीय रेलवे पुलिस प्रमुखों का ६वां अखिल भारतीय सम्मेलन नई दिल्ली के विज्ञान भवन में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। यह कार्यक्रम यात्री सुरक्षा, अपराध कम करने की रणनीतियों और बेहतर रेलवे सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण जनशक्ति आवश्यकताओं पर विचार-विमर्श करने के लिए वरिष्ठ अधिकारियों और सुरक्षा बलों का नेतृत्व करने वालों को एक मंच पर लाया।
सम्मेलन की शुरूआत रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी सतीश कुमार के उद्बोधन के साथ हुआ, जिन्होंने यात्री शिकायतों और मामलों के दर्ज करने पर विशेष ध्यान देने के साथ देश भर में लाखों रेल यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में जीआरपी और आरपीएफ के बीच सहयोगात्मक दृष्टिकोण के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते, ऑपरेशन आहट और मेरी सहेली जैसी विभिन्न पहलों के माध्यम से रेलवे में महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आरपीएफ के प्रयासों की भी सराहना की। अपने स्वागत भाषण में, डीजी आरपीएफ मनोज यादव ने उभरती चुनौतियों से निपटने के लिए, विशेष रूप से बढ़ते यात्री अपराधों को संभालने में सुरक्षा ढांचे के आधुनिकीकरण की आवश्यकता पर बल दिया।

रेलवे पुलिसिंग को नया स्वरूप देते नए आपराधिक कानून

चर्चाओं का एक महत्वपूर्ण हिस्सा रेल मदद पोर्टल पर दर्ज यात्री शिकायतों और वास्तविक रूप से दर्ज किए जा रहे मामलों के तुलनात्मक विश्लेषण के इर्द-गिर्द केंद्रित रही। जिसमें रेलवे में होने वाले बड़े अपराधों से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला गया। नए आपराधिक कानूनों का कार्यान्वयन एक प्रमुख केंद्र बिंदु था, जिसमें जीरो एफआईआर के कुशल प्रबंधन और राज्यों में तेजी से अपराध रिपोर्टिंग, सुव्यवस्थित साक्ष्य प्रबंधन और प्रभावी जांच को सुविधाजनक बनाने के लिए ई-एफआईआर सिस्टम के एकीकरण की आवश्यकता पर प्रकाश डाला गया। एक अन्य प्रमुख फोकस क्षेत्र रेलवे के विभिन्न ढांचे और मैनपॉवर से संबंधित मामलों पर चर्चा हुई। प्रतिभागियों ने जीआरपी के मैनपॉवर और ढांचागत आवश्यकताओं को निर्धारित करने के लिए एक समान बेंचमार्क बनाने का पता लगाया, जिसमें विविध भौगोलिक स्थितियों और रेलवे संचालन की जटिलताओं को ध्यान में रखा गया। एक समयबद्ध तरीके से इन बेंचमार्क को निर्धारित करने के लिए एक समिति नामित की गई है। इस सत्र में भारत के व्यापक रेलवे नेटवर्क की सुरक्षा मांगों को पूरा करने के लिए एक संरचित, स्केलेबल ढांचे की आवश्यकता पर जोर दिया गया।
अपने समापन भाषण में, डीजी आरपीएफ मनोज यादव ने सम्मेलन की सहयोगात्मक भावना की सराहना करते हुए कहा कि इस सम्मेलन ने रेलवे सुरक्षा को मजबूत करने के हमारे सामूहिक संकल्प की पुष्टि की है। मैनपॉवर की चुनौतियों का समाधान करके, हमारी प्रणालियों का आधुनिकीकरण करके और हमारी अपराध प्रतिक्रिया तंत्र में सुधार करके, हम लाखों यात्रियों के लिए सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने की दिशा में निर्णायक कदम उठा रहे हैं। इस यात्रा में राज्यों के जीआरपी की भूमिका और भारतीय रेलवे के साथ उनकी साझेदारी महत्वपूर्ण है और हमें मिलकर रेलवे सुरक्षा के लिए नए बेंचमार्क स्थापित करते रहना चाहिए। सम्मेलन एक भविष्य के लिए दृष्टिगत विचार के साथ संपन्न हुआ, जिसमें प्रतिभागियों ने कार्रवाई योग्य समाधानों पर सहमति व्यक्त की, जिसमें उन्नत प्रौद्योगिकी को अपनाना, हितधारकों के बीच बेहतर समन्वय और यात्री सुरक्षा पर सबसे महत्वपूर्ण प्राथमिकता के रूप में एक मजबूत ध्यान शामिल है।

बोलेरो वाहन से गांजा की तस्करी ,80 किलो गांजा के साथ दो धराए एक फरार

बिश्रामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)।
वाहन चेकिंग के दौरान जयनगर पुलिस ने रविवार को ग्राम जमदेई से बोलेरो वाहन से गांजा की तस्करी का बड़ा मामला पकड़ा है। इस कार्रवाई में पुलिस ने करीब २४ लाख रुपये कीमत का ८० किलो से अधिक अवैध मादक पदार्थ गांजा और परिवहन में प्रयुक्त बोलेरो वाहन जब्त किया है। इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

बताया गया कि रविवार को औचक वाहन चेकिंग अभियान के दौरान जयनगर पुलिस टीम ग्राम जमदेई पहुंच तिराहे पर वाहन चेकिंग कर रही थी इसी दौरान लखनपुर की तरफ से आ रही सफेद बोलेरो पुलिस टीम को देख वाहन चालक वाहन को वापस मोड़ने लगा वाहन चालक की संदिग्ध गतिविधि भाप पुलिस टीम उक्त वाहन की घेराबंदी शुरू की तभी बोलेरो में बैठा एक आदमी तेजी से जंगल की आड़ लेकर भाग निकला जबकि वाहन में सवार दो लोगो को पुलिस टीम ने दबोच दोनो से पूछताछ की ड्राइवर सीट के बाजू में बैठा व्यक्ति अपना नाम ओमप्रकाश बसोर पिता फुलचंद राम उम्र २४ वर्ष ग्राम बगदरी, थाना लखनपुर हाल मुकाम ग्राम चांदो, थाना लखनपुर एवं मोतीलाल बसोर पिता बुद्धूराम उम्र ४० वर्ष ग्राम चांदो, थाना लखनपुर को पकड़ा गया जिनके कब्जे से ८० किलो से अधिक गांजा बरामद किया गया। जप्त गांजा की बाजार मूल्य २४ लाख रुपए के करीब बताई गई है। मामले में गांजा व परिवहन में प्रयुक्त बोलेरो वाहन सीजी १२ बीसी ३७८५ आरोपियों के कब्जे से दो मोबाइल जप्त कर पकड़े गए दोनो आरोपियों सहित फरार आरोपी पर धारा २०(बी)(२)(सी), २९ एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्यवाही कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। वही फरार १ आरोपी की पतासाजी की जा रही है। पुलिस ने जारी विज्ञप्ति में आरोपियों द्वारा इतनी बड़ी मात्रा में कहां से गांजा लेकर आ रहे थे और कहां इसकी डिलीवरी देनी थी इस बात का खुलासा नहीं किया है।पुलिस की इस कार्यवाही में थाना प्रभारी जयनगर नरेन्द्र सिंह, एएसआई सोहन सिंह, विशाल मिश्रा, प्रधान आरक्षक मुकेश्वर वर्मा, आरक्षक सुरेश साहू, विकास मिश्रा, रवि राजवाड़े, सैनिक मुजाहिद हुसैन, जहांगीर आलम, नोहर साय राजवाड़े सक्रिय रहे।

कलेक्टर जनदर्शन में आम जनता की सुनीं गई समस्याएं

अम्बिकापुर (अम्बिकावाणी समाचार)।
जिला प्रशासन द्वारा आम जनता की समस्याओं और मांगों के त्वरित समाधान के हेतु साप्ताहिक कलेक्टर जनदर्शन कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित हुई। जिसमें बड़ी संख्या में नागरिकों ने मांग और शिकायत को लेकर आवेदन किया। कलेक्टर श्री विलास भोसकर ने जनता की बातों को गंभीरता से सुना और संबंधित विभागों को प्रत्येक आवेदन का समयबद्ध समाधान करने के निर्देश दिए।
कलेक्टर जनदर्शन में शिक्षण शुल्क माफ, पीएम आवास राशि दूसरे खाते में जाने संबंधी, भूमि सीमांकन, जमीन बटवारा, फौती , खसरा ऑनलाइन करने, पेंशन भुगतान, वन अधिकार पत्र की स्वीकृति, नहर में भूमि अधिग्रहण की मुआवजा दिलाने बावत जैसी मूलभूत सुविधाओं की समस्याएं तथा राजस्व विभाग से संबंधित अनेक आवेदन प्राप्त हुए। सभी विषयों को कलेक्टर ने ध्यानपूर्वक सुना और अधिकारियों को व्यक्तिगत रूप से तलब कर आवश्यक कार्यवाही कर निराकरण के निर्देश दिए।

जिला पंचायत की सहकारिता एवं उद्योग समिति की बैठक

बलरामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। जिला पंचायत की सहकारिता एवं उद्योग समिति की बैठक २४ जून २०२५ को आयोजित की गई थी। अपरिहार्य कारणों से उक्त बैठक स्थगित कर तिथि में संशोधन करते हुए बैठक ३० जून २०२५ को दोपहर ०२ बजे से कार्यालय जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र बलरामपुर में आयोजित किया गया है। बैठक में वर्तमान में खाद्य/सहकारिता विभाग अंतर्गत सोसायटी के माध्यम से संचालित योजनाएं, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम एवं मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार के अंतर्गत वर्ष २०२४-२५ में प्राप्त लक्ष्य व उपलब्धि की जानकारी, रेशम एवं हथकरधा विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की प्रगति, छत्तीसगढ़ हस्तशिल्प विकास बोर्ड द्वारा संचालित योजनाओं जैसे अन्य विषयों पर चर्चा की जाएगी।

अंबिकापुर में पीएम मोदी के 11 वर्षों की उपलब्धियों का उत्सव, विकसित भारत का लिया संकल्प

नमना कला में सेवा और सुशासन के 11 साल पूरे होने पर कार्यक्रम, बच्चों और वृद्धजनों का सम्मान

अम्बिकापुर (अम्बिकावाणी समाचार)।
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के ११ वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में नमना कला वार्ड नंबर १४ में सियान सदन में आयोजित कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि नगर निगम सभापति हरमिंदर सिंस टिन्नी एवं भाजपा जिला उपाध्यक्ष विनोद हर्ष , कार्यक्रम प्रभारी अभिषेक सिंह देव , जिला संवाद प्रमुख संतोष दास, टैक्स बार एसोसिएशन अध्यक्ष अभिषेक शर्मा , जिला सह संवाद प्रमुख रुपेश दुबे , मंडल अध्यक्ष मनोज कंसारी, सोमनाथ सिंह , पार्षद अनिता रवीन्द्र गुप्त भारती एवं अन्य अतिथियों को श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया गया । इस अवसर पर हरमिंदर सिंह टिन्नी ने प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में भारत विकास के पथ पर अग्रसर है। हम सबको मिलकर विकसित भारत के संकल्प को साकार करना है। अपने उद्बोधन में विनोद हर्ष ने कहा कि सेवा और सुशासन के ११ वर्षों में गरीब कल्याण के लिए अभूतपूर्व कार्य हुए हैं, जो हमें गर्वान्वित करते हैं।इस पर संतोष दास ने भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता जन-जन तक सरकार की योजनाओं को पहुंचाने के लिए कटिबद्ध है।

अभिषेक सिंहदेव ने कहा कि युवा शक्ति के सहयोग से हम मोदी जी के विकसित भारत के सपने को सिद्ध करेंगे।इस मौके पर अभिषेक शर्मा ने कहा कि यह कार्यक्रम सामाजिक एकता और विकास के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।
सोमनाथ सिंह ने कहा कि हर कार्यकर्ता को बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत कर जनसेवा में योगदान देना होगा। पार्षद अनिता रवीन्द्र गुप्त भारती द्वारा आयोजित निबंध और चित्रकारी प्रतियोगिता के प्रतिभागी बच्चों को कार्यक्रम में पुरस्कृत किया गया। वृद्धजनों को कंबल भेंट कर सम्मानित किया गया। सभी ने विकसित भारत के निर्माण का संकल्प लिया। कार्यक्रम का संचालन रवीन्द्र गुप्त भारती ने किया। इस अवसर पर भाजपा कार्यकर्ता, पदाधिकारी, महिलाएं, बच्चे, वृद्धजन और वार्डवासी उपस्थित थे।

युक्तियुक्तकरण से शिक्षा को मिली नई गति, पालकों का बढ़ा विश्वास

रायगढ़। शासन द्वारा शालाओं के युक्तियुक्तकरण की पहल ने एकल व शिक्षक विहीन शालाओं में नए शिक्षकों की पदस्थापना कर शिक्षा व्यवस्था को सशक्त बनाया है। इस पहल से दूरदराज के क्षेत्रों में अब नियमित कक्षाएं संचालित हो रही हैं, जिससे विद्यार्थियों की पढ़ाई फिर से गति पकड़ी है। शिक्षकों की उपस्थिति से शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार आया है, साथ ही पालकों के चेहरों पर बच्चों के उज्जवल भविष्य के प्रति निश्चित दिखाई दे रहे है।
युक्तियुक्तकरण के पश्चात एकल शिक्षकीय शालाओं को शिक्षक मिलने की खुशी बच्चों के साथ पालकों मे भी साफ दिखाई दे रही है। जिसका स्पष्ट उदाहरण देखने को मिला रायगढ़ जिले के तमनार ब्लॉक के प्राथमिक शाला गुडगुड़ में, जहां युक्तियुक्तकरण पश्चात एक शिक्षिका की पदस्थापना हुई है। जहां वर्तमान में 32 बच्चे स्कूल एवं 05 बच्चे बालवाड़ी में अध्ययनरत है। इस तरह कुल 37 बच्चे अध्यनरत है, लेकिन एक शिक्षक होने से उन्हें काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता था। एक शिक्षक द्वारा सभी कक्षाओं में समान समय देना संभव नहीं था, जिससे पढ़ाई की गुणवत्ता भी प्रभावित हो रही थी। लेकिन युक्तियुक्तकरण से सुचारू रूप से सभी कक्षाएं संचालित हो रही है।
गांव के श्री रामुदास महंत ने कहा कि युक्तियुक्तकरण पश्चात गांव के स्कूल में शिक्षिका की नियुक्ति हुई है, जिससे उनके साथ पालक भी खुश है,

औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 25 जून

बलरामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)।
संचालनालय रोजगार एवं प्रशिक्षण के अंतर्गत औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में शैक्षणिक सत्र २०२५-२६ में प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन १६ जून से शुरू की गई है। इच्छुक अभ्यर्थी २५ जून २०२५ तक ऑनलाइन माध्यम से वेबसाइट सीजीआईटीआई डॉट एडमिशन डॉट एनआईसी डॉट ईन पर अपना आवेदन कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान वाड्रफनगर-७५९१-०७६६८, राजपुर-८४३५९-४५००६ एवं बलरामपुर-७५८३०-०१४३२, रामचन्द्रपुर-७३५४१५९८६७, ७९८७९३४९१२, ७०६७९४६३८४ पर संपर्क कर सकते हैं।

उफ्फ ये लव है मुश्किल में कैरी और उसके भाई-बहन जब युग के घर में शिफ्ट होते हैं तो मचता है जबरदस्त हंगामा

मुंबई। सोनी सब का हाल ही में लॉन्च हुआ रोमांटिक ड्रामा च्उफ्फज ये लव है मुश्किलज अपनी अनोखी कहानी और रंगीन किरदारों की वजह से दर्शकों के दिलों में जगह बना रहा है। शो की शुरूआत से ही दर्शकों को इसकी कहानी ने आकर्षित किया है, जहां वकील युग सिन्हा (शब्बीर आहलूवालिया) और कैरी शर्मा (आशी सिंह) के बीच तनाव, अधूरी भावनाएं और एक भूला हुआ अतीत नया मोड़ लेकर आता है। हालिया एपिसोड्स में कैरी कोर्ट में युग को हरा देती है, जिससे युग के बदले की भावना भड़क उठती है। लेकिन सब कुछ बदल जाता है जब युग की मां को कैरी में अपनी दिवंगत बेटी लता की झलक नजर आती है।
मायरी (सुप्रिया शुक्ला) का एक्सीडेंट हो जाता है और कैरी उसकी मदद करती है। इसके बाद मायरी, युग से आग्रह करती हैं कि वह कैरी को अपने घर ले आए। युग कैरी और उसके भाई-बहनों को घर लेकर आता है, जिससे सिन्हा और शर्मा परिवार एक ही छत के नीचे रहने लगते हैं और घर में मच जाता है हंगामा। इस अफरातफरी से तंग आकर युग उन्हें आउटहाउस में शिफ्ट करता है, लेकिन शांति अब भी दूर है।

इसी बीच, युग और कैरी के बीच नोकझोंक, हंसी-मजाक और कपड़े तक बदलने जैसी घटनाएं होती हैं, जो उनके रिश्ते को एक नया मोड़ देती हैं। लेकिन तभी कैरी के पिता कुंदन (माधवेंद्र झा) उसके भाई-बहनों को दूर ले जाने की धमकी देते हैं, और युग को अपने अतीत का सामना करना पड़ता है—एक ऐसा अतीत जो उसके भाइयों, फर्जी दस्तावेजों और लखनऊ से जुड़े राजों से भरा है। जब प्यार और डर टकराते हैं, तब युग और कैरी दोनों को तय करना है कि वे अपने अपनों के लिए कितनी दूर जाने को तैयार हैं। क्या होगा जब युग का दफन अतीत सामने आएगा और कैरी को अपने परिवार के लिए लड़ना पड़ेगा? उफ्फ ये लव है मुश्किल में कैरी शर्मा का किरदार निभा रहीं आशी सिंह कहती हैं कि कैरी इस समय बहुत कुछ झेल रही है—परिवार, भावनाएं और अब युग के साथ बढ़ती नजदीकियां। घर में चल रहा ये हंगामा उनके रिश्ते में और भी कई परतें जोड़ता है, और दर्शकों के लिए यह देखना बेहद मजेदार होगा कि वे दोनों इस स्थिति को कैसे संभालते हैं। मुझे यकीन है कि दर्शक युग और कैरी की अनोखी कहानी में खुद को अनपेक्षित तरीके से जुड़ा हुआ महसूस करेंगे।

जनदर्शन में गरजा सर्वमंगला- शिक्षक को हटाना नहीं, बचाना चाहिए - छात्र और परिजनों ने प्रशासन से लगाई गुहार

कोरबा अम्बिकावाणी - सर्वमंगला नगर दुरपा स्थित शासकीय विद्यालय के शिक्षक भानु यादव के समर्थन में परिजन एवं छात्र जनदर्शन कार्यक्रम में पहुंचे और पार्षदों पर राजनीतिक षड्यंत्र के तहत फंसाने के गंभीर आरोप लगाए। उपस्थित लोगों ने कहा कि भानु यादव को जानबूझकर एक राजनीतिक दल के पार्षद और उनके कार्यकताओं द्वारा झूठे आरोपों में फंसाया जा रहा है, जिससे उनका स्थानांतरण अन्यत्र किया जा सके।

परिजनों ने आरोप लगाया कि वार्ड क्रमांक ६१ और ६२ में पार्षदों की मिलीभगत से कई अवैध गतिविधियाँ संचालित हो रही हैं। इनमें रेत का अवैध परिवहन, सार्वजनिक स्थलों पर शराब व गांजे का सेवन, अवैध शराब बिक्री, नाबालिगों से रेत तस्करी के लिए ट्रैक्टर-टीपर का संचालन और गांव में अवैध रेत भंडारण जैसे मामले शामिल हैं। इन सब कार्यों में क्षेत्रीय पुलिस चौकी, खनिज विभाग एवं पर्यावरण विभाग की भूमिका भी संदिग्ध मानी जा रही है। शिक्षक भानु यादव को ईमानदार, कर्मठ और समाजसेवी शिक्षक के रूप में जाना जाता है। उन्होंने विद्यालय में शिक्षा के स्तर को बेहतर बनाया है और बच्चों व उनके अभिभावकों को शिक्षा के प्रति जागरूक किया है। साथ ही वे गौसेवा, नशामुक्ति अभियान, वृक्षारोपण, पर्यावरण संरक्षण और जन-जागरूकता कार्यक्रमों में भी सक्रिय भूमिका निभाते हैं। परिजनों का कहना है कि वार्ड क्रमांक ६१ के पार्षद स्वयं एक निजी स्कूल संचालित करते हैं, और इसलिए वे शासकीय स्कूल की बढ़ती लोकप्रियता और गुणवत्ता से असहज हैं। भानु यादव के प्रयासों से गांव में शासकीय शिक्षा प्रणाली में लोगों का भरोसा बढ़ा है, जिससे कुछ प्रभावशाली लोगों की नाराजगी स्पष्ट दिख रही है।

जनदर्शन में पहुंचे परिजन एवं छात्रों ने जिला प्रशासन से मांग की कि शिक्षक भानु यादव पर लगाए गए सभी आरोप निराधार हैं। प्रशासन को चाहिए कि मामले की निष्पक्ष जांच कर शिक्षक की गरिमा की रक्षा करे और उनका स्थानांतरण रोका जाए।

छोटी खबरें

आमगांव खदान संचालन में बाधा उत्पन्न करने वालों के खिलाफ पुलिस में शिकायत

बिश्रामपुर - आमगांव ओपनकास्ट परियोजना हेतु ग्राम पटना की अधिग्रहित भूमि पर कोयला उत्खनन में ग्रामीणों द्वारा अवरोध उत्पन्न करने पर थाना प्रभारी को प्रबंधन ने पत्र लिखा है। क्षेत्रीय महाप्रबंधक ने रामानुजनगर थाना प्रभारी को भेजे पत्र में उल्लेख किया है कि आमगांव ओपनकास्ट परियोजना हेतु ग्राम पटना रामानुजनगर की भूमि कोयला उत्खन्न हेतु कोल बियरिंग एक्यूजिशन एण्ड डेवलप्मेंट एक्ट १९५७ के प्रावधानों के तहत अधिग्रहित किया गया है। ग्राम पटना की अधिग्रहित भूमि खसरा क्रमांक ११४० एवं ११४१ एवं रकबा ०.५८ एवं ०.४२ हेक्टेयर का संबंधित कृषक को मुआवजा भुगतान कर एवं भू स्वामी के आश्रित को रोजगार प्रदान कर उत्खनन की कार्यवाही की जा रही है। उत्खनन की कार्यवाही में ग्रामीणों द्वारा बाधा उत्पन्न की जा रही है। जिससे की भूमि उत्खनन एवं कोयला उत्खनन की कार्यवाही पूर्णतः बाधित हो गई है। उत्खनन बाधित होने से एसईसीएल एवं राज्य शासन को राजस्व की हानि हो रही है। ग्रामीणों का विरोध समाप्त करने हेतु एसडीएम रामानुजनगर एवं एसईसीएल के प्रतिनिधियों द्वारा ग्राम पटना में जाकर कई बार प्रयास किया गया किन्तु ग्रामीणों का विरोध समाप्त नहीं हो रहा है। ग्रामीणों के विरोध को मद्देनजर संबंधित भूमि पर आज २४ जून मंगलवार को उत्खनन कार्य प्रारम्भ करने हेतु पुलिस बल की मांग की गई है।

वन विभाग की सतर्कता से बड़ा खुलासा - जब्त जेसीबी मशीन विभागीय कार्यालय से हुई चोरी, कुसमुंडा खदान क्षेत्र से बरामद

कोरबा अम्बिकावाणी - बालको वन परिक्षेत्र में अवैध मिट्टी उत्खनन मामले में एक चौंकाने वाला खुलासा सामने आया है। वन विभाग द्वारा पूर्व में जब्त की गई जेसीबी मशीन को अज्ञात चोर विभागीय कार्यालय परिसर से चुरा ले गए थे, जिसे विभाग की सतर्कता के चलते कुसमुंडा खदान क्षेत्र से बरामद कर लिया गया। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि यह साजिश मशीन मालिक रज्जाक अंसारी द्वारा रची गई थी। प्राप्त जानकारी के अनुसार, ३ जून की रात बालको रेंज के वनरक्षक दिलीप सिंह ठाकुर ने सराईपाली गांव के कक्ष क्रमांक ह्रओए-१२४३ में अवैध मिट्टी खनन करते हुए एक जेसीबी क्रमांक सीजी -१२ बीजी ५६४२ को पकड़कर जब्त किया था। दस्तावेज प्रस्तुत न कर पाने के कारण मशीन को बालको परिक्षेत्र कार्यालय परिसर में सुरक्षित रखा गया था। मगर कुछ ही दिनों बाद, रात्रि करीब २ से ३ बजे के बीच अज्ञात चोर परिसर में घुसे और जेसीबी मशीन को चुरा ले गए। मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल प्राथमिकी दर्ज कर बालको थाने को सूचना दी गई और वनमंडलाधिकारी मयंक अग्रवाल के निर्देश पर एसडीओ आशीष खेलवार एवं परिक्षेत्र अधिकारी जयंत सरकार के नेतृत्व में जांच टीम गठित की गई। सूत्रों से मिली सूचना के आधार पर विभागीय टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए कुसमुंडा खदान क्षेत्र से चोरी गई जेसीबी मशीन को बरामद कर लिया। पूछताछ में यह तथ्य सामने आया कि रुमगरा निवासी जेसीबी मालिक रज्जाक अंसारी ने ही चोरी की पूरी साजिश रची और उसे अंजाम दिलवाया। वन विभाग अब इस गंभीर प्रकरण में सख्त रुख अपनाते हुए जब्त जेसीबी मशीन को राजसात करने की प्रक्रिया में जुट गया है। परिक्षेत्र अधिकारी जयंत सरकार ने मामले की पुष्टि करते हुए कहा कि जांच के आधार पर अन्य दोषियों के खिलाफ भी कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

बाढ़ क्षेत्र से परिसम्पतियां हटाने की सूचना जारी

कोरबा अम्बिकावाणी - वषार्काल २०२५ के दौरान आवश्यकता होने पर मिनीमाता बांगो बांध माचाडोली एवं हसदेव बॅराज दर्री से नदी में पानी प्रवाहित किया जायेगा। कार्यपालन अभियंता मिनीमाता बांगो बांगों बांध संभाग क्र. ३ माचाडोली ने सर्व साधारण एवं कार्य संबंधितों को सूचित किया है कि उक्त बांध से नीचे, हसदेव नदी के किनारे, बाढ़ क्षेत्र में स्थापित चल-अचल सम्पत्ति सुरक्षित स्थानों पर ले जायें। बाढ़ क्षेत्र में स्थापित खनिज खदान ठेकेदार, औद्योगिक इकाईयां, संस्थानों आदि को भी सूचित किया गया है कि वे अपनी परिसम्पत्तियों को बाढ़ क्षेत्र से बाहर कर लेवें। कार्यपालन अभियंता मिनीमाता बांगो बांध ने कहा है कि अकस्मात बाढ़ से होने वाली किसी भी प्रकार की क्षति के लिए जल संसाधन विभाग उत्तरदायी नहीं होगा। कार्यपालन अभियंता मिनीमाता बांगो बांध एवं हसदेव बराज जल प्रबंध संभाग को बाढ़ क्षेत्र में आने वाले गांवों में बाढ़ चेतावनी की मुनादी करवाने के भी निर्देश दिए गए हैं। कार्यपालन अभियंता ने बताया कि बाढ़ क्षेत्र में आने वाले संभावित गांवो में बांगो, चर्रा, पोड़ीउपरोड़ा, कोनकोना, लेपरा, टुनियाकछार, पाथा, गाड़ाघाट, छिनमेर, कछार, कल्मीपारा, सिलयारीपारा, जुनापारा, तिलाईडांड, डुगुपारा, टुंगुमाड़ा, छिरार्पारा, मछलीबाटा, कोरियाघाट, धनगांव, डोंगाघाट, नरमदा, औराकछार, सोनगुड़ा, जेल गांव, झाबू, नवांगांव, तिलसाभाटा, लोतलोता, स्याहीमुड़ी, कोडा, हथमार, झोरा, सिरकीकला आदि शामिल हैं।

जनदर्शन में दूर दराज क्षेत्रों से आए लोगों की सुनी गई समस्याएं, कलेक्टर ने आवेदनों का परीक्षण कर समय सीमा में निराकरण के दिए निर्देश

कोरबा अम्बिकावाणी - कलेक्टर अजीत वसंत ने आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आयोजित जनदर्शन में अपनी समस्याओं के निराकरण के लिए आए आमनागरिको की परेशानियों को सुना। उन्होंने सभी आवेदनों को सम्बंधित अधिकारियों को प्रेषित कर समय-सीमा के भीतर शासन के नियमानुसार निराकरण के निर्देश दिए हैं।

जनदर्शन में जिले के दूर दराज क्षेत्रो से आए ग्रामीणों ने एक एक कर अपनी समस्याएं कलेक्टर को बताया एवं शीघ्रता से समाधान करने का दरखास्त किया। जनदर्शन में आज सीसी रोड निर्माण, स्कूल आंगनबाड़ी भवन स्वीकृति, नौकरी दिलाने, अतिक्रमण हटाने, मुआवजा दिलाने, सीमांकन, खाता विभाजन, रोजगार, उपचार हेतु सहयोग, नक्शा बटांकन, आर्थिक सहायता, पेंशन जैसे परेशानियों के कुल ९४ आवेदन प्राप्त हुए।

कलेक्टर ने सभी आवेदनों को संबंधित अधिकारियों को प्रेषित कर आवेदनों का परीक्षण कर गम्भीरता से निराकरण के निर्देश दिए हैं। इस अवसर पर सहायक कलेक्टर क्षितिज गुरभेले, जिला पंचायत सीईओ श्री दिनेश नाग सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

फार्मर फील्ड स्कूल के माध्यम से किसानों को धान बीज वितरण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

कोरिया पांडवपारा। WOTR संस्था के द्वारा किसानों की कृषि उत्पादकता को बढ़ावा देने हेतु एक महत्वपूर्ण पहल की गई। इस पहल के अंतर्गत ग्राम स्तर पर फार्मर फील्ड स्कूल के माध्यम से किसानों को धान के बीज का वितरण किया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों को उन्नत कृषि तकनीकों से परिचित कराना तथा उनकी खेती को अधिक लाभकारी बनाना था। बीज वितरण के साथ-साथ किसानों को बीज उपचार और नर्सरी तैयार करने की विधियों पर विस्तृत प्रशिक्षण भी दिया गया। प्रशिक्षण सत्र के दौरान विशेषज्ञों ने किसानों को बीज को रोगों से बचाने, अंकुरण क्षमता बढ़ाने और नर्सरी तैयार करते समय आवश्यक सावधानियों के बारे में बताया। किसानों ने प्रशिक्षण में गहरी रुचि दिखाई और कई सवाल भी पूछे, जिनका समाधान मौके पर ही दिया गया। WOTR संस्था का यह प्रयास किसानों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे किसानों को कम लागत में अधिक उत्पादन करने की तकनीकें सीखने का अवसर मिला है। ३ अलग अलग ग्राम पर यह प्रशिक्षण किया गया जिसमें WOTR संस्था से कामिनी साहू, सूरज यादव, दीपक सकत एवं कृषक उपस्थित रहें।

कार्यक्रम में स्थानीय किसान, कृषक समूह और युवा किसान विशेष रूप से शामिल हुए। यह पहल क्षेत्र में सतत कृषि विकास और जैविक खेती को बढ़ावा देने में सहायक सिद्ध होगी।

समापन के अवसर पर किसानों को प्रोत्साहित करते हुए WOTR संस्था की टीम ने यह आश्वासन दिया कि भविष्य में भी इस प्रकार के प्रशिक्षण व तकनीकी सहयोग लगातार मिलते रहेंगे।

कैम्पा मद से तालाब निर्माण में भारी भ्रष्टाचार, जिला पंचायत सदस्य सावित्री कंवर ने मुख्यमंत्री को सौंपी शिकायत

कोरबा अम्बिकावाणी - वन विभाग में एक बार फिर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप सामने आए हैं। कैम्पा मद से तालाब निर्माण कार्य में अनियमितता को लेकर कोरबा जिला पंचायत सदस्य सावित्री कंवर ने प्रदेश के मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर जांच की मांग की है। साथ ही उन्होंने वन मंत्री और जिला कलेक्टर को भी शिकायत भेजकर पूरे मामले से अवगत कराया है। सावित्री कंवर ने पत्र में उल्लेख किया है कि कोरबा वन मंडल के तहत ग्राम पंचायत नकटीखार में वर्ष २०२४-२५ के दौरान कैम्पा मद से दो तालाबों का निर्माण कराया गया। यह कार्य वन परिक्षेत्र कोरबा के अधिकारी द्वारा बांस बाड़ी के पीछे और मेडिकल कॉलेज झगरहा के सामने कराया गया है। इसके लिए २३ लाख ५५ हजार ६२५ रुपये की स्वीकृति दी गई थी। लेकिन स्थानीय स्तर पर प्राप्त जानकारी और प्रसारित समाचारों के अनुसार, उक्त तालाब पहले से निर्मित नाले को तालाब में तब्दील कर बनवाया गया है। इसके लिए मात्र ५ से ६ लाख रुपये का वास्तविक व्यय किया गया और शेष राशि की बंदरबांट की गई। सावित्री कंवर ने पूर्व में वन विभाग में हुए भ्रष्टाचारों की ओर भी ध्यान आकृष्ट कराया है और मांग की है कि इस मामले में एक स्वतंत्र जांच टीम गठित कर निष्पक्ष जांच कराई जाए। उन्होंने यह भी अनुरोध किया है कि जांच के निष्कर्षों से उन्हें अवगत कराया जाए तथा दोषी अधिकारियों एवं कर्मचारियों पर कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। यह मामला उजागर होने के बाद वन विभाग में हड़कंप मच गया है। लगातार उठते आरोप यह संकेत देते हैं कि वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के अंतर्गत कैम्पा मद जैसी योजनाओं में पारदर्शिता की गंभीर कमी है। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि प्रशासन इस गंभीर आरोप पर क्या कार्रवाई करता है और भ्रष्टाचार के इस जाल को तोड़ने के लिए कौन से कदम उठाए जाते हैं।

कुत्तों के जानलेवा हमले में कटा हाथ-पैर

लापरवाही से पल रहे पालतू कुत्ते, प्रशासन को ध्यान देने की जरुरत

कोरिया बैकुण्ठपुर। शहर में लापरवाह पालतू कुत्ते अब जानलेवा होते जा रहे हैं। हाल ही में झुमका रोड, दुर्गा पंडाल के पास दो जर्मन शेफर्ड कुत्तों ने एक व्यक्ति को गंभीर रूप से घायल कर दिया। इस हमले में उनका बायां हाथ और पैर काटने तक की नौबत आ गई। घटना बीते दिवस की है, जब वे अपनी नियमित सुबह की सैर कर रहे थे। सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि कुत्ते बिना निगरानी के घूम रहे थे और उनका पिछले एक साल से टीकाकरण भी नहीं हुआ था, जो पूरी तरह से जिम्मेदार मालिकों की लापरवाही है। मिली जानकारी के अनुसार जिला मुख्यालय में झुमका रोड दुर्गा पंडाल के पास दो जर्मन शेफर्ड कुत्तों ने जानलेवा हमला कर ओड़गी नाका निवासी विष्णुदेव सिंह पिता स्व. शिवनंदन सिंह उम्र ५० वर्ष को गंभीर रुप से जख्मी कर दिया। वे अपनी नियमित अलसुबह की सैर पर निकले थे। कुत्तों के अचानक किए गए इस हमले में उनका बायां हाथ (कोहनी के ऊपर) और बायां पैर (घुटने के ऊपर) काटना पड़ा। गंभीर रुप से घायल श्री सिंह का इलाज पहले जिला अस्पताल बैकुंठपुर, फिर शर्मा अस्पताल और बाद में एम्स पटना बिहार में किया गया, जहां बीते १५ जून को अम्प्युटेशन सर्जरी करनी पड़ी। वर्तमान में वे गंभीर अवस्था में एम्स पटना में भर्ती हैं। बेटी शिल्पी का कहना है कि इस हादसे में उनका परिवार पूरी तरह टूट गया है, क्योंकि पिता अब स्थायी विकलांग हो चुके हैं।

ये हैं महत्वपूर्ण दायित्व-

* अगर कुत्ते पालते हैं तो नियमित टीकाकरण अवश्य कराएं।
* कुत्तों को बिना निगरानी के खुला न छोड़ें, खासकर सार्वजनिक स्थानों में।
* प्रशासन को ऐसे मामलों में सख्त कदम उठाने चाहिए ताकि नागरिक सुरक्षित रह सके।
* नागरिकों से अपील है कि अगर वे कुत्तों या जानवरों से संबंधित लापरवाही देखते हैं तो प्रशासन या थाना में सूचना दें।
* समाज में सभी का दायित्व है कि लापरवाही के चलते कोई नागरिक जान या अंग नहीं गंवाए।

न्यायालय तहसीलदार, अम्बिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांक 202506020700195/

मामले की श्रेणी :- राजस्व

विषय:- अ-6 सन:- 2024-2025

अंबिकापुर प.ह.नं. 00015 [4278/1(0.0530हे0)]

पक्षकारों का विवरण- आवेदक पक्षकार- अवधेश,

अनावेदक पक्षकार-विनोद, सुरेश, राजेश, घुरनी बाई बेवा, मालती देवी बेवा, नीतू शानिया, रोहित, अवधेश अंजेश कुमार पिता स्व० रामलाल झुन्नी बाई, सुनील, सुजीत, सुनेन्द्र, लक्ष्मी, भारती, निरमा, मन्नु, विनीत, सुमित केरकेटटा, रेशमी केरकेटटा बेवा,

ईश्तहार

आवेदक अवधेश पिता स्व० रामलाल निवासी मणीपुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा ग्राम अम्बिकापुर स्थित भूमि खसरा नंबर 4278/1 रकबा 0.053 हे0 भूमि के राजस्व अभिलेखों से मृतक खातेदार विनित का नाम विलोपित किये जाने हेतु आवेदन पेश किया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 14/07/2025 के पूर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 19/06/2025 को जारी किया जाता है।

UMESHWAR SINGH BAJ
तहसीलदार
तहसील, अम्बिकापुर

सीएमएचओ डॉ. केशरी का सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पतराडी में आकस्मिक निरीक्षण, व्यवस्था सुधारने दिए निर्देश

कोरबा अम्बिकावाणी - मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एस.एन. केशरी ने मंगलवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पताढी का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने ओपीडी, आईपीडी, प्रसव कक्ष, दवा भंडारण कक्ष, टीकाकरण कक्ष और पैथोलॉजी विभाग का बारीकी से अवलोकन किया। डॉ. केशरी ने अस्पताल में उपलब्ध जरूरी दस्तावेजों और रिकॉर्ड का भी निरीक्षण किया तथा मौके पर ही सुधार के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। उन्होंने विशेष रूप से बरसात के मौसम में फैलने वाली मौसमी बीमारियों और सर्पदंश की दवाइयों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इन दवाओं की पर्याप्त मात्रा में स्टॉक रहना चाहिए ताकि किसी भी आपात स्थिति से निपटा जा सके। निरीक्षण के दौरान सीएमएचओ ने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को समय पर उपस्थिति सुनिश्चित करने और बिना अनुमति मुख्यालय न छोड़ने की सख्त हिदायत दी। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

भाजपा जिला मंत्री बने शारदा गुप्ता, कहा पूरी निष्ठा से करूंगा जिम्मेदारी का निर्वहन

कोरिया बैकुंठपुर। गत दिवस प्रदेश नेतृत्व के निर्देश पर भारतीय जनता पार्टी जिला कोरिया की कार्यकारिणी जिलाध्यक्ष देवेंद्र तिवारी द्वारा घोषित की गई , जिसमें लंबे समय से भाजपा संगठन में काम कर रहे अनुभवी युवा नेता शारदा प्रसाद गुप्ता को जिला मंत्री के पद पर नियुक्त किया गया है । जिस अवसर पर उनके समर्थकों द्वारा उन्हें शुभकामनाएं प्रेषित की गई है । अपने सौम्य एवं मधुर व्यवहार के कारण युवाओं के बीच लोकप्रिय हैं साथ ही अपनी सरलता की वजह से वरिष्ठों के भी प्रिय हैं। मूल रूप से राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की पृष्ठ भूमि से आने वाले शारदा गुप्ता संघ में प्रथम वर्ष प्रशिक्षित हैं । ये शुरू से ही मेधावी छात्र थे और इनकी शिक्षा दीक्षा भोपाल स्थित आवासीय विद्यालय शारदा विहार में हुई जहां पढ़ाई के साथ साथ अन्य गतिविधियों में भी अग्रणी रहे और छात्र संघ के विभिन्न दायित्वों का निर्वहन किए , यही कारण है कि छात्र जीवन में ही छात्र अधिकारों की लडाई लड़ने वाले इस युवा नेता ने बैकुंठपुर महाविद्यालय में अध्ययन करने के साथ ही छात्र संघर्ष समिति का निर्माण कर छात्र आंदोलनों का नेतृत्व किया। इनकी सक्रियता से प्रभावित होकर वर्ष २००८ में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने इन्हें जिला सहसंयोजक के रूप में जिम्मेदारी सौंपी। इसके बाद भाजपा युवा मोर्चा के जिला कार्यालय मंत्री, जिला प्रशिक्षण प्रमुख, और युवा मोर्चा कोरिया के जिला महामंत्री तथा कोरबा लोकसभा के सोशल मीडिया के संयोजक के रूप में इन्होंने अपनी अद्भुत संगठन क्षमता को प्रदर्शित किया है । राजनीति के साथ साथ ये विभिन्न सामाजिक संगठनों में सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं । और वर्तमान में छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज कोरिया के जिलाध्यक्ष भी हैं। वहीं सामाजिक क्षेत्र के अन्य संगठन स्वदेशी जागरण मंच के वर्तमान जिला संयोजक के रूप में अपनी सामाजिक जिम्मेदारी का निर्वहन कर रहे हैं। इन्होंने भारतीय जनता पार्टी के बूथ स्तर के कार्यकर्ता से लेकर जिला स्तर के पदाधिकारी तक का लंबा सफर अपनी योग्यता और धैर्य के साथ तय किया है। नवनियुक्त जिला मंत्री शारदा गुप्ता ने इस बड़ी जिम्मेदारी के लिए जिला अध्यक्ष देवेंद्र तिवारी सहित भाजपा के प्रदेश संगठन मंत्री पवन साय, प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव का आभार व्यक्त किया है। साथ ही कहा है कि वे सभी की अपेक्षाओं पर खरे उतरते हुए संगठन के समस्त दायित्वों का निर्वहन पूरी जिम्मेदारी के साथ करेंगे।

अम्बिकावाणी

बैकुण्ठपुर मंगलवार 24 जून, 2025

सम्पादकीय

> यदि आपको दूसरों की प्रतीक्षा करने की आदत है तो आप अवश्य ही पीछे रह जायेंगे।
>
> 0 ब्रम्हकुमारी

संपादकीय

वर्षों बाद भी व्यवस्था में कोई सुधार नहीं

कॉमनवेल्थ खेल घोटाले का मुकदमा भी ढह गया है। दिल्ली की एक अदालत ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की मुकदमा बंद करने की रिपोर्ट स्वीकार कर ली है। यह कथित घोटाला उस कथानक का एक बड़ा पहलू था, जिसको लेकर 2010-11 में भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन खड़ा किया गया। 2-जी स्पेक्ट्रम आवंटन घोटाला, कोयला खदान आवंटन घोटाला और मुंबई की आदर्श हाउजिंग सोसायटी घोटाला इसके अन्य पहलू थे। तत्कालीन यूपीए सरकार ने उन सभी मामलों में कानूनी प्रावधानों के अनुरूप कार्रवाई की। सत्ता पक्ष से जुड़े कई नेताओं को अपने पद छोड ? पड़े। कुछ को जेल की हवा भी खानी पड़ी। जो नेता जेल गए, उनमें सुरेश कलमाडी भी थे, जो कॉमनवेल्थ खेलों के आयोजन में अपनी महत्त्वपूर्ण भूमिका के कारण घेरे में आए थे। मगर तत्कालीन सरकार की कार्रवाइयों को अविश्वसनीय बताने का ऐसा जोरदार अभियान छेड़ा गया कि मनमोहन सिंह सरकार और कांग्रेस पार्टी की छवि खलनायक की बन गई। अन्ना आंदोलन और उसके गर्भ से निकली आम आदमी पार्टी उस आंदोलन के मूर्त रूप थे। लेकिन उसके पीछे बड़े सियासी और औद्योगिक हितों के हाथ की चर्चा तब से लेकर आज तक रही है। भारत के इतिहास में जब विवेकहीनता के मौजूदा माहौल की चर्चा होगी, तो इसकी जड़ों की तलाश उसी दौर में की जाएगी।

तब भ्रष्टाचारियों को सरेआम फांसी पर लटकाने की मांग को लेकर उभारे गए जन उद्वेग ने आगे चल कर अन्य मसलों पर भी उसी तरह का माहौल बनाने का रास्ता साफ किया। जबकि न्यायिक धरातल पर उन कथित घोटालों से जुड़े एक के बाद एक मुकदमे ढहते चले गए। तब जिन्हें भ्रष्टाचारी मान लिया गया था, उनमें से ज्यादातर अब बरी हो गए हैं। कहा जा सकता है कि यह जांच एजेंसियों और लेट-लतीफ न्याय व्यवस्था की खामी है, जिससे इल्जाम साबित नहीं हो पाए। मगर मुद्दा यह है कि 15 साल बाद भी इस व्यवस्था में कोई सुधार नहीं हुआ और आरोपी बरी हो गए, तो उसके लिए दोषी कौन है? और उससे भी बड़ा सवाल यह है कि जो आक्रोश और उद्वेग उस समय दिखा, वह आज क्यों गायब हो गया है?

> *कॉमनवेल्थ घोटाले का मुकदमा भी ढह गया है। कहा जा सकता है कि जांच एजेंसियों और लेट-लतीफ न्याय व्यवस्था की खामी के कारण ऐसा हुआ है। मगर 15 साल बाद भी व्यवस्था नहीं सुधारी, तो उसके लिए दोषी कौन है?*

अतीत में अनेक चुनाव धांधली से जीते

अवधेश कुमार

> *एक दृश्य की कल्पना करिये। अगर भारत की छवि ऐसी बन जाए कि यहां सरकार संविधान को ताक पर रख अपने अनुसार चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति करती है, आयोग फर्जी तरीके से मतदाता सूची बनाता है, मतदान के आंकड़े गलत जारी करता है तथा सरकार के पक्ष में मतदान परिणाम लाता है तो क्या होगा? यानी पूरी सरकार अनैतिक है जो धांधली के आधार पर संवैधानिक शक्तियों और संस्थाओं का दुरुपयोग करते हुए सत्ता में बनी हुई है। एक देश के रूप में भारत की साख को नष्ट करने का इससे गंदा अभियान कुछ नहीं हो सकता।*

लोक सभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और अनेक नेता, एक्टिविस्ट मीडिया के कुछ चेहरे लंबे समय से यही अभियान चला रहे हैं। इसके साथ न्यायपालिका सहित अन्य संवैधानिक संस्थाओं को भी इसी तरह संदिग्ध बनाने की रणनीति साफ दिखाई देती है। इन सबके लिए सुविधाओं के अनुसार एकपक्षीय तथ्य और आंकड़े दिए जाते हैं। राहुल गांधी ने 2024 के महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव को लोकतंत्र में धांधली का ब्लूप्रिंट बताते हुए लिखा है कि यह मैच फिक्सिंग अब बिहार में भी दोहराई जाएगी और फिर उन जगहों पर भी ऐसा ही किया जाएगा, जहां-जहां भारतीय भाजपा हार रही होगी। 'अगर आपके पास छिपाने के लिए कुछ नहीं है तो मेरे लेख में दिए गए सवालों के जवाब दें और इसे साबित करें :

महाराष्ट्र समेत सभी राज्यों के लोक सभा और विधानसभाओं के हाल में हुए चुनाव के लिए समेकित, डिजिटल, मशीन-पठनीय मतदाता सूची प्रकाशित करें और महाराष्ट्र के मतदान केंद्रों से शाम पांच बजे के बाद की सभी सीसीटीवी फुटेज जारी करें। पहली बार पढ ? पर अवश्य इसमें सनसनाहट पैदा होती है। किंतु चुनाव प्रक्रिया में निचले स्तर भी जुड़ी राजनीति के साधारण व्यक्ति के गले कोई बात नहीं उतरेगी। वैसे ये आरोप नये नहीं हैं। पिछले वर्ष भी चुनाव आयोग ने ऐसे आरोपों का उत्तर दिया था। जिन्हें तथ्यों से कोई लेना-देना नहीं और संपूर्ण भारत की सत्ता को फासिस्ट, अनैतिक और सारी लोकतांत्रिक संस्थाओं का दमन कर कब्जा करने वाला साबित कर विश्व भर में बदनाम करने का जिनका सपना हो वे ऐसे ही खंडित हो चुके आरोपों को बार-बार दोहराएंगे। निर्वाचन आयोग ने छह राष्ट्रीय पार्टियों से बातचीत के लिए अलग-अलग आमंत्रित किया था।

कांग्रेस को छोड़कर शेष सभी चुनाव अधिकारियों से मिले, अपना पक्ष रखा तथा उत्तर सुना। केवल कांग्रेस ने चुनाव आयोग द्वारा 15 मई को प्रस्तावित बैठक में भाग नहीं लिया था। चुनाव आयोग शायद फिर देश के सामने तथ्य रखे। मीडिया में आयोग के हवाले से जो वक्तव्य आया है उसमें कहा गया है कि किसी के द्वारा प्रसारित कोई भी गलत सूचना चुनाव के दौरान राजनीतिक दलों द्वारा नियुक्त हजारों प्रतिनिधियों की बदनामी तथा चुनाव कर्मचारियों का मनोबल तोड ? वाला होता है, जो इस बड़ी कवायद के लिए अथक परिश्रम करते हैं। यह सही है कि देश में चुनावी प्रक्रिया में जितनी संख्या में सरकारी कर्मचारी, गैर सरकारी संस्थाएं, राजनीतिक दल, पत्रकार, आम लोग लगते हैं ऐसे बयान उन सबके परिश्रम को निष्फल करने वाला तथा उनके अंदर गुस्सा और निराशा पैदा करना है।

चुनाव आयुक्तों की नियुक्तियों पर ही एकपक्षीय अभियान चल रहा है। स्वतंत्रता के बाद से केंद्र सरकार चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति करती रही है। इसके विपरीत राहुल और विरोधी ऐसी छवि बना रहे हैं मानो पहले नियुक्ति दूसरे तरीके से होती थी और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सरकार ने उसे पलट दिया है। सच यह है कि इसमें विपक्ष के नेता का प्रावधान डालकर ज्यादा विमर्शमूलक बनाया गया है। 25 चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति केंद्र सरकार द्वारा हुई। राजनीति में रहते हुए राजनीतिक सत्ता को ही अविसनीय बना देना किस तरह की लोकतांत्रिक सोच का परिचायक है? अब आएं महाराष्ट्र चुनाव संबंधी अन्य आरोपों पर। राहुल आरोप लगा रहे हैं कि मतदाताओं की संख्या वृद्धि असामान्य है। बोगस मतदाता शब्द प्रयोग उन्होंने इस आधार पर किया कि 5 वर्षों में 31 लाख मतदाता तथा केवल अंतिम पांच महीना में 41 लाख मतदाता बढ़ गए। बढ़े हुए 40 लाख 81 हजार 229 मतदाताओं में से 26 लाख 46 हजार 608 युवा मतदाता थे। पुराने आंकड़े देखिए। 2014 से 2019 के बीच 63 लाख नये मतदाता जुड़े जबकि 2009 से 2014 के बीच 75 लाख तथा 2004 से 2009 के बीच एक करोड़ नये मतदाता बने थे।

अब इससे तुलना करिए। क्या लगता है कि 2024 में ऐसा असामान्य हो गया या बोगस मतदाता आ गए जैसा राहुल बता रहे हैं? लोक सभा और विधानसभा चुनाव के बीच मतदाता वृद्धि का आंकड़ा भी यही बताता है। 2024 विधानसभा में लोक सभा की तुलना में 5 प्रतिशत अधिक मतदाता थे तो 2009 में 4 प्रतिशत, 2014 में 3 प्रतिशत, 2019 में एक प्रतिशत और 2024 में 4 प्रतिशत अधिक मतदाता थे। इसलिए यह कहना कि 2024 महाराष्ट्र चुनाव में असामान्य हो गया तथ्यों के आधार पर हास्यास्पद लगता है। अंतिम घंटे में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के आरोप की सच्चाई जानने के लिए प्रति घंटे मतदान का औसत निकालिए। हर घंटे औसत 5.83 प्रतिशत मतदान हुआ। वे पूछ रहे हैं कि अंतिम एक घंटे में 7.8 प्रतिशत की वृद्धि कैसे हो गई? 5 बजे से 6 बजे के बीच की बात करने वालों को समझना चाहिए कि जो मतदाता 6 बजे तक मतदान केंद्र पर पहुंच जाते हैं देर होने पर भी वह मतदान करते हैं। मतदान प्रतिशत भी 5 से 6 बजे के बीच का ही अंकित होगा, किंतु हो सकता है 7 बजे 8 बजे तक मतदान हुआ हो।

यह महाराष्ट्र तक सीमित भी नहीं है। आप 2024 के लोक सभा चुनाव के कुछ आंकड़े देखिए। उदाहरण के लिए दूसरे चरण में शाम 5 बजे तक मतदान प्रतिशत 60.96 था। अगले दिन आंकड़ा 66.71 प्रतिशत आया। इस तरह वृद्धि 5.75 प्रतिशत की थी, लेकिन महाराष्ट्र में उस चुनाव में कांग्रेस और महा विकास अगाड़ी की विजय हुई थी। राहुल और विरोधी उसका उल्लेख नहीं करते। आप स्वतंत्रता के बाद से किसी भी चुनाव के आंकड़ों को देखेंगे तो सबमें इस तरह कुछ चुनिंदा आंकड़ों के विश्लेषण से विसंगति धांधली दिखाई पड़ेंगे। दूसरे तथ्य सामने आते ही आशंकाएं ध्वस्त हो जाएंगी। ऐसा नहीं है कि चुनाव में धांधली नहीं हुई। अतीत में अनेक चुनाव धांधली से जीते गए। यह सब कांग्रेस के राज में हुआ। यह खतरनाक प्रवृत्ति है। इसको हर हाल में परास्त करना होगा।(लेख में विचार निजी है)

समय ही बताएगा संन्यास ले लेंगे या फिर सर्वोच्चता बरकरार रखेंगे

डॉ. घनश्याम बादल

> *वैसे तो नरेन्द्र मोदी ने प्रधानमंत्री के रूप में 26 मई 2025 को 11 साल पूरे कर लिए थे, लेकिन अपने तीसरे कार्यकाल की शपथ उन्होंने 9 जून 2024 को ली इसलिए उनके तीसरे कार्यकाल की सरकार की वर्षगांठ 9 जून 2025 को मनाई गई। यदि कार्यकाल की दृष्टि से देखें तो नरेंद्र दामोदर दास मोदी लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री चुने जाने वाले दूसरे प्रधानमंत्री हैं। वहीं कार्यकाल की दृष्टि से वें तीसरे स्थान पर हैं और उनसे ऊपर केवल जवाहरलाल नेहरू एवं इंदिरा गांधी का कार्यकाल रहा है।*

वर्तमान परिस्थितियों के हिसाब से मोदी अपना तीसरा कार्यकाल भी सफलतापूर्वक पूरा करते दिखाई देते हैं तब वह कार्यकाल की दृष्टि से अपने इसी कार्यकाल में दूसरे स्थान पर आ जाएंगे। यदि मोदी का एक प्रधानमंत्री की दृष्टि से एक विवेचन किया जाए तो प्रधानमंत्री एवं सरकार के मुखिया के रूप में उनकी खूबियां और खामियां दोनों ही सामने आती हैं। 26 मई 2014 को पहली बार सांसद चुने जाने के बाद ही वे प्रधानमंत्री पद पर आसीन हुए जैसे पहली बार विधायक चुने जाने के बाद गुजरात के मुख्यमंत्री बने थे। अपने विशिष्ट अंदाज में उन्होंने संसद भवन की ड्योढ़ी पर माथा टेककर संसद में प्रवेश किया तो भावुक देश को बहुत आशाएं जगी थी। अपने पहले भाषण में भी मोदी ने देश को चुनाव में 'अच्छे दिनोंइ के वादे को पूरा करने का विश्वास दिलाया। साथ ही 'सबका साथ सबका विकासइ का नारा देकर सारी राजनीतिक का कटुता भुलाकर देश के सवार्गीण विकास की बात की और खुद को प्रधानमंत्री के बजाय 'प्रधान सेवकइ की संज्ञा दी तथा कहा कि वह एक शासक नहीं बल्कि 'चौकीदारइ के रूप में देश के हितों की रक्षा करेंगे। मोदी ने अपने पहले कार्यकाल में निराश ही नहीं किया और एक से बढ़कर एक अभिनव योजनाएं देश के सामने रखीं, जिनमें जनधन योजना, उज्वला योजना, अटल पेंशन योजना, महिला कल्याण व स्वच्छ भारत मिशन जैसी योजनाओं के माध्यम से उन्होंने आम आदमी का दिल जीत लिया। अपने इस कार्यकाल में उन्होंने नोटबंदी तथा पाकिस्तान पर सर्जिकल स्ट्राइक करने जैसे कड़े निर्णय देकर दिखाया कि अपने संकल्प के पक्के हैं। उनकी राजनीतिक चतुराई के आगे विपक्षी पूरे कार्यकाल में एक संभ्रम की स्थिति में रहे और राहुल गांधी को तो उन्होंने इस तरह निशाने पर रखा कि वे कभी भी खुद को उनके प्रतिद्वंद्वी साबित नहीं कर पाए। मोदी ने अपने पहले कार्यकाल में निराश ही नहीं किया और एक से बढ़कर एक अभिनव योजनाएं देश के सामने रखीं, जिनमें जनधन योजना, उज्ज्वला योजना, अटल पेंशन योजना, महिला कल्याण व स्वच्छ भारत मिशन जैसी योजनाओं के माध्यम से उन्होंने आम आदमी का दिल जीत लिया। अपने इस कार्यकाल में उन्होंने नोटबंदी तथा पाकिस्तान पर सर्जिकल स्ट्राइक करने जैसे कड़े निर्णय देकर दिखाया कि अपने संकल्प के पक्के हैं। उनकी राजनीतिक चतुराई के आगे विपक्षी पूरे कार्यकाल में एक संभ्रम की स्थिति में रहे और राहुल गांधी को तो उन्होंने इस तरह निशाने पर रखा कि वे कभी भी खुद को उनके प्रतिद्वंद्वी साबित नहीं कर पाए। और बचकाने शब्दों 'चौकीदार ही चोर हैइ या 'खून का सौदागरइ कहकर राहुल और उनकी मां सोनिया दोनों फंसे रहे। ऐसा नहीं कि मोदी का यह कार्यकाल एकदम सफल ही रहा उसमें विपक्ष को आलोचना का भी पूरा मौका मिला। उनके 'अच्छे दिनइ और 15 लाख रुपये हर भारतीय के खाते में आने की खूब मजाक बनी जिसे बाद में अमित शाह ने एक 'चुनावी जुमलाइ करार देकर जान छुड़ाई। उनका नोटबंदी से कालाधन व आतंकवाद नियंत्रण का पासा भी उल्टा पड़ा। 2019 में जब लोक सभा चुनाव की घोषणा की गई राजनीतिक विश्लेषकों का अनुमान था कि आएंगे तो मोदी ही पर उनकी चमक और धमक दोनों कम होगी, लेकिन 'मोदी है तो मुमकिन हैइ और 'इस बार 300 पारइ का नारा खूब चला और भारतीय जनता पार्टी को पहली बार अपने ही बलबूते पर बहुमत मिला।

एनडीए की 353 सीटों उसका हिस्सा 303 पर पहुंच गया जो एक बड़ी उपलब्धि थी। अपने दूसरे कार्यकाल में मोदी का आत्मविश्वास आसमान छूता नजर आया। धारा 370 हटा दी गई, राम मंदिर का शिलापूजन हो गया, नागरिकता कानून संशोधन पास हो गया, पुलवामा में हुए हमले के बाद उन्होंने एक बार फिर पाकिस्तान पर एयर स्ट्राइक करने का साहस दिखाया, कृषि कानून, कोविड वैक्सीन मुफ्त राशन, मोबाइल अस्पताल और ताली थाली दीप आदि ने मोदी की लोकप्रियता को और भी बढ़ाया, लेकिन कोविड की दूसरी लहर में सारी व्यवस्था चरमरा गई लाखों मौत हुई, वैक्सीन बनाने में मानकों की अनदेखी महंगी पड़ी जो आज तक संदेह पैदा करती है। कृषि कानून, पर उन्हें यू टर्न लेना पड़ा बेरोजगारी व महंगाई बेकाबू हो गई दूसरे कार्यकाल में सरकार ने सीबीआई, ईडी और इनकम टैक्स जैसी संस्थाओं का इस्तेमाल विपक्षियों को घेरने और कुचलने में किया।

उन पर बड़बोलेपन का आरोप तो खैर अब तक लगता है। 2024 के चुनाव में भी मोदी 'वन मैन आर्मीइ की तरह लड़े और तमाम विपरीत परिस्थितियों के बावजूद भाजपा को सबसे बड़े राजनीतिक दल के रूप में वापस लाने में कामयाब रहे भले ही सीटों की संख्या 303 से गिरकर केवल 240 रह गई।

भारत की अगली डिजिटल जनगणना (2027)से देश के भविष्य की तस्वीर सामने आएगी

आशा करनी चाहिए कि 2027 की जनगणना से देश की तस्वीर उभर कर सामने आए।आज केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने 16 साल बाद हो रही पहली डिजिटल जनगणना की अधिसूचना जारी की। इससे पहले 2011में जनगणना हुई थी। 28 राज्योंउत्तराखंड , हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश मध्य प्रदेश, राजस्थान, गुजरात, हरियाणा, महाराष्ट्र, गोवा, ओड़िशा, मेघालय, मिजोरम, सिक्किम, पंजाब ,असम, नागालैंड, त्रिपुरा, मणिपुर, बिहार, पश्चिमी बंगाल, कर्नाटक, केरल, तेलंगाना, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश,और आठ केंद्र शासित प्रदेशों दिल्ली, जम्मू कश्मीर, लद्दाख, अंडमान निकोबार द्वीप समूह, दमन द्वीप, नगर हवेली, चंडीगढ़,में 34 लाख कर्मचारी जनगणना करेंगे और यह विश्व का अब तक का सबसे बड़ा प्रशासनिक अभियान होगा ।इस जनगणना में एक लाख तीस हजार ऐसे लोग या कर्मचारी होंगे जो इसे डिजिटल प्रारूप में स्थापित करने का काम करेंगे। मार्च 2027 में इस जनगणना के परिणाम जारी किए जाएंगे। गृह मंत्रालय के सूत्रों के मुताबिक इस जनगणना में मकान,जमीन, पुरुष, स्त्री,अभय लिंगी, जाति, अनुसूचित जाति, जनजाति,जंगल, पेड़,स्कूल, माध्यमिक विद्यालय, शिक्षक, महाविद्यालय, अन्य शिक्षण संस्थान, मंदिर , मस्जिद, गुरुद्वारा, ब अन्य धार्मिक स्थानों, रीत रिवाजों शौचालय,नलकूप, नहरें, कुलाबे, कुएं, तलाब, झील, झरने, नदियां,नाले,सड़क, पगडंडी, पुल, अन्य बुनियादी ढांचे, मतदान केंद्र,सभी डिजिटल प्रारूप में स्थापित कर गिने जाएंगे। इसमें विधायक, सांसद, पंचायतों के पंच, सरपंच, नगरीय निकायों, पार्षदों, मुख्यमंत्री, प्रधानमंत्री,मंत्री, राज्यपाल, राष्ट्रपति,की गिनती होगी ।पहली बार सरकार ने इसे उद्देश्य पूर्ण बनाया है।

जनगणना हमेशा देश की दिशा और दशा तय करती है।

इस जनगणना से जो परिणाम निकलेंगे वह सरकार की योजना, प्रगति, सामाजिक संस्थाओं, बनियादी ढांचों को आवश्यकताओं को इंगित करेंगे। सरकार के समक्ष एक विकल्प होगा कि किस राज्य या प्रदेश में किस प्रकार की जरूरतें हैं।

सामाजिक संस्थाओं,में और समाज में किस राज्य में कौन कौन सी जातीय निवास करती हैं और वे कितने प्रतिशत में है। सरकार आगामी दिनों में इन आंकड़ों से आरक्षण, नौकरियों में, विश्व विद्यालयों, चिकित्सा सेवाओं,में कौन सी जातीय पीछे छूट गयी,इसको भी तय कर सकती है। ग्रामीण क्षेत्रों और शहरी क्षेत्रों का अकड़ा भी सामने आएगा ।

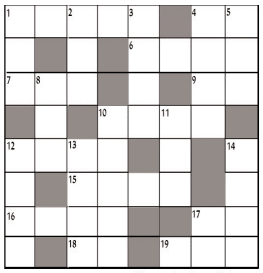

आगामी जनगणना स्थाई मतदाता सूची भी बनाएगी जिसमें व्यक्ती या नागरिक की 18 वर्ष पूरी होने पर स्वचालित मतदाता सूची में शामिल होगा। 0 अजय दीक्षित

अम्बिकावाणी-वर्गपहेली 1359

1		2		3	■	4	5
	■		■	6			
7	8		■		■	9	
■		■	10		11		■
12		13		■		■	14
	■	15				■	
16				■	■	17	
	■	18		■	19		

संकेत: बाएं से दाएं

1. भारत के इस राज्य की सीमा एक ओर चीन से तथा दूसरी ओर पाकिस्तान से मिलती है (5)
4. साथ, सोहबत, संपर्क, मिलन (2)
6. भारतीय संगीत शास्त्र का आरंभ इस वेद इसमें कुल 1810 ऋचाएं थी (4)
7. फोटो, चित्र (3)
9. दहलीज, भाव, मूल्य, निर्ख (2)
10. उदास, रोगग्रस्त, अप्रसन्न (4)
12. वैमनस्य, खटपट, ठनाठनी (4)
15. ये मिथिलेश के नाती थे (4)
16. सप्ताह के दिनों में से एक (4)
17. मां की बहिन के पति का मालवी में यह कहते है (2)
18. झुककर प्रणाम करता हुआ (3)
19. हुक्म की तामील करना, आदेश मानने का भाव (3)

ऊपर से नीचे

1. अभिनेता अमजद खान के अभिनेता पिता (निधन 2 जून 1975) पुराणानुसार इंद्र और शची का एक पुत्र उपेंद्र का यह नाम था (3)
2. कटि, लपेट (3)
3. केमिकल, कमियागरी, रासायनिकी (4)
4. मनोवेग, स्पर्श, अनुभूति, सहभावना (4)
5. असफल विद्रोह, बगावत (3)
8. नार्डिक देशों में सबसे बड़ा देश जिसकी राजधानी स्टॉकहोम है (3)
10. अविराम, बिना रूके, लगातार (5)
11. भारत में पहली टेलिफिल्म के निर्देशक, भगवान शिव का एक नाम (3)
12. रंज, मलाल (4)
13. शक्तिशाली, ताकतवर (4)
14. निर्जन, वीराना, एकांत (4)
17. क्रय-विक्रय की वस्तु, सुस्वादु भोजन (2)

वर्ग पहेली 1358 का हल

वि	य	त	ना	म	■	घा	त
पा	■	ला	ल	च	दे	ना	■
शा	बा	श	■	च	■	■	■
■	ना	ना	ना	■	स	ह	ज
बा	■	■	गा	■	रि	वा	ज
धा	व	क	■	■	ता	म	■
ही	न	ता	■	स	■	ह	■
न	■	र	की	ब	■	ल	क्ष

एकदा

युवाओं की रगों में दौड़ रहा उपसंस्कृति का जहर

किसी देश को खत्म करना है तो अब वहां सेकंड वर्ल्ड वार के दौरान हिरोशिमा और नागासाकी की तरह परमाणु एटम बम डालने की जरुरत नहीं है। या रुस और यूक्रेन युद्ध के बीच विनाशकारीरर मिसाइल और द्रोण के जरिए बड़े बड़े बमों को गिराने की आवश्यकता नहीं है बल्कि उस देश की संस्कृति को खत्म कर दो ...। वह मुल्क धीरे धीरे खुद ही मर जाएगा। इन दिनों हमारे देश भारत में यही हो रहा है। कभी विश्व गुरु कहलाने वाली देश की तहजीब रसातल में जा रही है। पश्चिमी संस्कृति की चकाचौंध, बाजारवाद की चमचमाहट और दौलत तथा शोहरत की हवस वाली वाली स्टेटस सिंबाल की संस्कृति हमारी पूरब की तहजीब को तेजी से निकल रही है। सीधी सपाट भाषा में कहा जाए तो हमने अंध विकास के लिए विनाश की बीमारी मोल ले ली है। यह यह नया नवेला कल्चर हमारे हजारों साल से चले आ रहे सामाजिक तानेबाने, सांस्कृतिक ढांचे और पारिवारिक संबंधों को तहस-नहस किए जा रहा है। कंटीले कैक्टस के कांक्रीट सघन जंगलों में न्यूक्लीयर फेमिली प्रेम और सम्मान में पगे हमारे संयुक्त परिवार की जड़ों को नेस्तनाबूद कर रहे हैं। एक ओर तो हमारे देश के सियासी रहनुमा भारत को फिर से विश्व गुरु, सुपर कंम्यूटर और और दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थ व्यवस्था वाला देश बनाने का दावा या लोकलुभावना सपना दिखा रहे हैं वहीं दूसरी ओर अपने घोषित और अघोषित स्वार्थ के लिए ऐसे दुष्कृत्यों का युद्धस्तर पर चौतरफा अभियान छड़े हुए हैं वसुधैव कुटुंबकम की भारत की संस्कृति प्रदूषित हो रही है।

राशिफल

ग्रह स्थिति- सूर्य-वृषभ, चंद्र-मीन, मंगल-वृषभ, बुध-मेष, गुरु-कन्या, शुक्र-मीन

चौघड़िया

09 :03 से 10 :43 तक-चंचल
10 :43 से 12 :23 तक- लाभ
12 :23 से 14 .04 तक- अमृत
20 :24 से 21.44 तक- लाभ

मेष राशिः मेष वालों के लिए आज का दिन खुशियों से भरा रहेगा। लॉ के क्षेत्र से जुड़े स्टूडेंट के लिए आज का दिन बेहतरीन रहने वाला है। आज कहीं से एक केस आपके हाथ लग सकता है। सरकारी ऑफिस में काम करने वालों का आज प्रमोशन हो सकता है।

वृष राशिः वृष वालों के लिए आज का दिन परिवार वालों के साथ बीतेगा। परिवार के साथ बाहर घूमने का प्लान भी बन सकता है। आज अचानक से आपके घर पर आपका करीबी रिश्तेदार आ सकता है। दोस्तों के साथ लंबे टूर की प्लांनिग बन सकती है। आज आपके बिजनेस में फायदा होने के योग बन रहे है। स्वास्थ्य पहले से अच्छा रहेगा।

मिथुन राशिः मिथुन वालों के लिए आज के दिन मन में नए इ नए विचार आ सकते है। सरकारी एग्जाम की तैयारी करने वालों के लिए आज का दिन अच्छा है, मेहनत का फल अच्छा मिलेगा। आप दोस्तों के साथ बाहर हिल स्टेशन पर जा सकते है। दाम्पत्य जीवन में मिठास बनी रहेगी।

कर्क राशिः कर्क वालों के लिए आज का दिन ठीक इ ठाक रहेगा। बिजनेस में थोड़ी सी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है, लेकिन जल्द ही सब नॉर्मल हो जाएगा। आज अपनी वाणी पर कंट्रोल रखने से आपको ही फायदा होगा। आज स्वास्थ्य के प्रति आप थोड़ी सावधानी रखें।

सिंह राशिः सिंह वालों के लिए आज का दिन अनुकूल रहेगा। आज आनंद की प्राप्ति के लिए आपको अपने स्वभाव में थोड़ा परिवर्तन लाने की आवश्यकता है। निश्चित ही घर में खुशियों का आगमन होगा। पारिवारिक सम्बन्धी परेशानियां आज खुद-ब-खुद दूर हो जाएगी। आज के दिन आपका करीबी आपकी खुशियों को दोगुना कर देगा।

कन्या राशिः आज आपका रुझान आध्यात्म की तरफ रहेगा मंदिर जाने या किसी धार्मिक कार्यक्रम के आयोजन की योजना बना सकते हैं। आज आपको शत्रु पक्ष से सावधान रहने की जरुरत है, लेकिन अपनी समझदारी से आप कार्यों को पूरा करने में सफल रहेंगे।

तुला राशिः तुला वालों आज का दिन आपके लिए मिला-जुला रहेगा। आज घरेलू चीजों को खरीदने पर आपके अधिक पैसे खर्च हो सकते है। आज आपको रोजगार के उचित अवसर प्राप्त होंगे। माता-पिता का आशीर्वाद आपको मंजिल तक पहुंचाने में मदद करेंगें।

वृश्चिक राशिः आपकी ऊर्जा का स्तर अच्छा रहेगा। बढ़े हुए ऊर्जा के साथ आप कोई काम करेंगे तो कम समय में पूरा हो जाएगा। आज आपकी अन्दरूनी ताकत कार्यक्षेत्र में दिन को बेहतर बनाने में भी मददगार साबित होगी। व्यापारियों के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा। इस राशि के शादीशुदा लोग किसी रेस्टोरेंट में डिनर का प्लान बना सकते हैं।

धनु राशिः कालात्मक कार्यों में आज आपकी रूचि बढ़ेगी। आज व्यापारियों को बिजनेस में बढि?ा लाभ होगा। आज नये प्रोजेक्ट पर काम करने से पहले मित्रों से सलाह लेना आपके लिए फायदेमंद रहेगा। आज धार्मिक स्थलों की यात्रा जीवनसाथी के साथ जाने पर शुभफल प्राप्त होंगे। इस राशि के स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन बेहतर है।

मकर राशिः मकर वालों के लिए आज का दिन ठीक इ ठाक रहेगा। आज उन लोगों से सावधान रहें जो आपको गलत राह पर ले जाने की सोचते हैं। जीवनसाथी के जीवन में बदलाव आने से खुशी का माहौल बनेगा। घर में चल रही विवाह संबंधी समस्या जल्द ही सॉल्व हो जाएगी।

कुंभ राशिः कुंभ वालों आज का दिन यात्रा में बीतेगा। ये यात्रा ऑफिस के काम से रिलेटेड हो सकती है। यात्रा के दौरान किसी दूर के रिश्तेदार से आपकी मुलाकात हो सकती है। जिससे आपका मन प्रसन्न हो जाएगा। जो इस राशि के इंजीनियर्स है उनके लिए आज का दिन फायदेमंद रहेगा। किसी कम्पनी से जॉब के लिए ऑफर आ सकती है।

मीन राशिः मीन वालों आज अपने बड़े-बुजुर्ग का आशीर्वाद लेकर नया बिजनेस शुरू करें तो फायदा होना तय है। बच्चों के करियर के लिए आप किसी से उधार ले सकते हैं। आज आपको व्यापार में अचानक से धनलाभ का अवसर प्राप्त हो सकता है।

सीलन या नमी से इन्वर्टर की बैटरी खराब न हो जाए

मानसून एक ऐसा मौसम है जिसकी वजह से कई चीजें खराब होने लगती हैं। जैसे सीलन या नमी की वजह से किचन का सामान या फिर नमी की वजह से कपड़े आदि चीजों में फफूंदी के दाग लग जाते हैं। ऐसे में कई लोग इन चीजों को सुरक्षित रखने के लिए नियमित सफाई करते रहते हैं या उनका ध्यान रखते हैं। लेकिन इन्वर्टर की बैटरी का कोई भी ध्यान नहीं रखता है। जब तेज बारिश या अंधी में बिजली चली जाती है और इन्वर्टर भी खराब हो तो परेशानी और भी अधिक बढ़ जाती है। ऐसे में अगर आप नहीं चाहते हैं कि सीलन या नमी की वजह से इन्वर्टर की बैटरी खराब हो तो फिर आपको मानसून के मौसम में उसका ध्यान ज़रूर रखना चाहिए। आइए जानते हैं।

दीवार से रखें दूर

मानसून के मौसम में सबसे अधिक सीलन और नमी दीवार में होती है। ऐसे में अगर आप इन्वर्टर की बैटरी को दीवार के पास रखा है तो फिर बैटरी कभी भी खराब हो सकती है। खासकर मानसून के टाइम इन्वर्टर की बैटरी को दीवार से अलग ही रखें। इसके अलावा बैटरी को किसी लकडी या प्लास्टिक के ऊपर ही रखें, क्योंकि जमीन पर रखने की वजह से भी बैटरी खराब हो सकती है।

टर्मिनल की सफाई का रखें ध्यान

बैटरी में जिस जगह से बिजली की तार को जोड़ा जाता है उसे कई लोग टर्मिनल कहते हैं। लेकिन बारिश के मौसम में कई बार टर्मिनल के आसपास सफ़ेद रंग की एक परत जम जाती है जिसकी वजह से बैटरी कभी भी खराब हो सकती है। ऐसे में अगर आप नहीं चाहते कि मानसून में टर्मिनल ख़राब हो तो फिर आपको उसकी सफाई करते रहना चाहिए। सफाई के दौरान हाथों में ग्लव्स जरूर पहने।

एसिड लेवल ज़रूर चेक करें

मौसम कोई भी हो बैटरी का एसिड लेवल चेक करते रहना बहुत ज़रूरी है। अगर बैटरी में सामान स्तर से कम एंडिस हो तो बैटरी कभी भी ख़राब हो सकती है। ऐसे में अगर आप नहीं चाहते कि तेज बारिश या आंधी में इन्वर्टर ख़राब हो तो समय-समय पर बैटरी में एसिड डालते रहे। आपको बता दें कि कई लोग नॉर्मल पानी को गुनगुना करके बैटरी में डाल देते हैं। ऐसे में आप ये गलती न करें।

इन बातों का भी रखें ध्यान

बैटरी की सफाई करने से पहले लाइट को ऑफ़ ज़रूर रखें।
अगर आपको बैटरी की सफाई करने या एसिड डालने में डर लगता है तो आप किसी एक्सपर्ट की मदद से ले सकते हैं।

पैरेंट्स और फैमिली के लिए परेशानी बन सकते हैं डिमांडिंग बच्चे

कुछ बच्चे बहुत ज्यादा डिमांडिंग और बॉसी होते हैं। ये कहना गलत नहीं होगा कि ये बच्चे अपने पैरेंट्स और फैमिली ही नहीं बल्कि अपने दोस्तों के लिए भी परेशानी बन सकते हैं। यदि आपको अपने बच्चे में यहां बताए गए संकेत दिख रहे हैं तो समझ जाएं कि आपका बच्चा बड़ा होकर नहीं बल्कि अभी से ही हिटलर बन सकता है।

बच्चे अपनी बात मनवाने के लिए अपने पैरेंट्स से इस तरह की डिमांड करते हैं। मुझे ये चीज नहीं दिलवाई तो मैं स्कूल नहीं जाऊंगा या मेरे लिए ये काम नहीं किया तो मैं खाना नहीं खाऊंगा। अमूमन हर बच्चा बचपन में अपनी बात मनवाने के लिए इस तरह की बातें बोलता है लेकिन कुछ बच्चे अपनी मर्जी को लेकर अड़े रहते हैं और मां-बाप के लाख समझाने पर भी उन्हे बात समझ नहीं आती है। अगर आपका बच्चा भी अपनी बात पर अड़ा रहता है तो हो सकता है कि वो बॉसी और डिमांडिंग हो। यदि आपका बच्चा भी बॉसी है तो आप यहां जान सकते हैं कि उस बॉसी, डिमांडिंग और गुस्सैल व्यवहार को आप किस तरह शांत कर सकते हैं। कुछ पैरेंट्स को लगता है कि बच्चों की ग्रोथ में बॉसी होना एक नॉर्मल फेज है जो कि कुछ हद तक ठीक है। तीन या चार साल की उम्र में बच्चे अपने आसपास के माहौल को भांपना शुरू कर देते हैं। उन्हें समझ आने लगता है कि उन्हें क्या पसंद और नापसंद आ रहा है। इस उम्र के बच्चों के बॉसी नेचर को आप कॉन्फिडेंस और मुखरता के गुण में बदल सकते हैं।

हिटलर बनता है

चीजें फेंकता है, उल्टा बोलता है, चिल्लाता है और आपकी बात मानने से इनकार कर देता है और अपनी जिद पर अड़ा रहता है तो आपके बच्चे के हिटलर बनने के चांसेस हैं। ये बच्चे दूसरों को भी बुली कर सकते हैं। अगर आप भी ऐसे बच्चों के साथ हिटलर की तरह ही पेश आएंगे तो बात नहीं बन पाएगी। आपको इनके सामने अच्छा बनकर पेश आना होगा ताकि वो आपसे सीखे। जब ये बच्चे कुछ अच्छा करते हैं तो उनकी तारीफ जरूर करें।

दोस्त नहीं बन पाते

जब बच्चा बड़ा होगा तो उसे पता चलेगा कि उसे बॉसी होने की वजह से दूसरे बच्चे उसका दोस्त नहीं बनना चाहेगा। वहीं ऐसे बच्चे दूसरों को बुली करने वाले भी बन सकते हैं। इस वजह से आपका बच्चा अकेला रह सकता है। अपने बच्चे से कहें कि अगर वो किसी से प्यार से बात करता है तो बाकी बच्चे उसकी बात सुनेंगे और उसके दोस्त बनेंगे।

बढ़ावा ना दें

अगर आपका बच्चा बॉसी है और कोई गलत हरकत करता है तो ऐसी कोई बात ना कहें जिससे उसे बढ़ावा मिले। उस पर हंसे नहीं और ना ही उसका मजाक उड़ाएं या उसे डांटे नहीं। शांत रहें और उसे कहें कि वो अपनी बात शांत रहकर भी रख सकता है।

हुक्म ना मानें

अगर आपका बच्चा हुक्म के तौर पर आपको कोई ऑर्डर देता है तो इसे बिल्कुल ना मानें। उसे समझाएं कि वो आपका बॉस नहीं है। अगर आप उसे अभी नहीं रोकेंगे तो उसे लगेगा कि वो आपका ही नहीं बल्कि सबका बॉस है।

सांत्वना दें

अगर आपका बच्चा दूसरे बच्चों से दूर या अलग-थलग रहने पर अकेला महसूस कर रहा है तो उस पर तरस ना खाएं या उसे दोष ना दें। उसकी मदद करें कि वो किस तरह अच्छा बिहेवियर अपनाकर अपनी इस समस्या को हल कर सकता है।

मानसून में अपने गार्डन में लगाएं ये सब्जियां

मानसून का मौसम आते ही हर तरफ हरियाली ही हरियाली दिखाई देती है। इस मौसम में लगभग सभी पेड़ में नए-नए पत्ते और हरी सब्जियों में फल निकलते रहते हैं। इस मौसम में पौधे में अधिक पानी भी डालने की ज़रूरत नहीं होती है और तेज धूप नहीं होने की वजह से पौधे भी हरे-भरे रहते है।

ऐसे में अगर आप मानसून के अनुसार अपने गार्डन में नए पौधों का बीज लगाना चाहते हैं और फ्रेश सब्जियां खाना चाहते हैं तो फिर आपको इस लेख को ज़रूर पढ़ना चाहिए। क्योंकि इस लेख में हम आपको कुछ सब्जियों के बीज को लगाने के बारे में बताने जा रहे है, जिन्हें आप आसानी से मानसून में लगाकर ताजी सब्जियां प्राप्त कर सकते हैं। आइए जानते हैं।

खीरा का पौधा

खीरा एक ऐसी सब्जी है जिसका इस्तेमाल सलाद में भी किया जाता है और अन्य डिश बनाने में भी किया जाता है। हालांकि, कई लोगों को लगता है कि खीरा को उगाना बहुत मुश्किल है, लेकिन ऐसा नहीं है। गार्डन में खीरा का पौधा लगाना बहुत आसान है। इसे आप गमले में या फिर अन्य जगह भी लगा सकते हैं। एक पौधे में कम से कम दर्जन से अधिक फल हो सकते हैं।

टमाटर का पौधा

आज के समय टमाटर एक ऐसी चीज है जिसका इस्तेमाल लगभग हर भारतीय घरों में होता है। कई लोग इसे सलाद बनाने, चटनी बनाने या अन्य सब्जी में डालने के लिए इस्तेमाल करते हैं। ऐसे में अगर गार्डन में फ्रेश टमाटर उगाना चाहते हैं तो मानसून के समय आसानी से टमाटर का पौधा लगा सकते हैं। मानसून के समय में पौधे में आपको अधिक पानी भी डालने की जगह नहीं है। इसके लिए उचित मात्र में खाद और सही किस्म का बीज लगाने की ज़रूरत है।

भिंडी का पौधा

मुझे तो भिंडी की भुजिया बेहद पसंद है। शायद आपको भिंडी की भुजिया जरूर पसंद होगा। खैर, अगर आप गार्डन में सब्जी को उगाना चाहते हैं तो भिंडी को भी उगा सकते हैं। मानसून के मौसम में भिंडी का पौधा काफी तेजी से बढ़ता है और आपको अधिक मेहनत भी करने की जरूरत नहीं है। अगर आप चार से पांच पौधे ही लगा लेते हैं कई किलो भिंडी प्राप्त कर सकते हैं।

पौधा लगाने के लिए सामग्री

- मिट्टी
- गमला
- बीज
- खाद
- पानी

पौधे लगाने का तरीका

- पौधा लगाने के लिए सबसे पहले आप मिट्टी में खाद को अच्छे से मिक्स लें।
- आप इसमें मिट्टी में आप 50% कोकोपीट और 50% वर्मीकम्पोस्ट (केंचुआ खाद या गोबर) को भी अच्छे से मिक्स कर सकते हैं।
- अब खाद युक्त मिट्टी को गमले में डालकर अच्छे से बराबर कर लें।
- इसके बाद मिट्टी में लगभग 2 इंच बीज को बदकार मिट्टी को बराबर कर लें और ऊपर से पानी डाल दें।
- इसके बाद समय-समय पर खाद, पानी और कीटनाशक स्प्रे का छिड़काव करते रहें।

कलरफुल पुराने कपड़ों की मदद से अपने घर को दें नया लुक

घर की सजावट भला किसे अच्छी नहीं लगती है। हम सभी इसके लिए कई तरीके आजमाते हैं और अपने आशियाने को बेहतर बनाते हैं। हम आपको बताने जा रहे हैं कि कैसे आप पुराने कपड़ों की मदद से घर को नया लुक दे सकती हैं। अगर आपके घर में भी कलरफुल पुराने कपड़े मौजूद हैं तो आपको इसका दोबारा इस्तेमाल करके अपने घर को सजाना चाहिए। हम सभी के घर में कुछ कपड़े ऐसे होते हैं जिनका इस्तेमाल हम नहीं करते है। अगर आपके घर में भी ऐसे कपड़े मौजूद हैं तो आपको इन कपड़ों की मदद से अपने घर सजाना चाहिए। आज के इस आर्टिकल में हम आपको बताएंगे कि आप कैसे अपने घर को पुराने कपड़ों की मदद से सजा सकती है।

डोर को सजाएं

पुराने कपड़ों की मदद से आप अपने घर के डोर को सजा सकती हैं। सबसे पहले आपको अपने डोर पर इन कपड़ों को लटकाना है फिर फेरी लाइट को दरवाजों पर लटका देना है। ध्यान रखे कि अलग- अलग कपड़ों का इस्तेमाल करें। इससे लुक काफी खास आएगा।

वॉल डेकोरेशन में करें इस्तेमाल

वॉल डेकोरेशन में भी आप इन पुराने कलरफुल कपड़ों का इस्तेमाल कर सकती हैं। अलग- अलग कपड़ों को आप दीवारों पर लटका दें। फिर फेरी लाइट्स की मदद से पूरे दीवार को सजाएं।

इस तरीके से आप अपने घर को त्योहार या किसी फंक्शन के समय सजा सकती हैं। ऐसे में आपके घर की खूबसूरती बढ़ जाएगी और पुराने कपड़ों का भी इस्तेमाल हो जाएगा।

कलरफुल पुराने कपड़ों का कवर

आप इन कपड़ों की मदद से तकिया के लिए कवर भी बना सकती हैं। यह देखने में काफी ज्यादा खूबसूरत लगता है। ऐसे में आपको अपने पुराने कपड़ों को तकिए के साइज में काटना चाहिए और तकिए के हिसाब से कवर तैयार करना चाहिए। इससे तकिए का कवर तैयार हो जाएगा।

ब्लैक कलर के किसी भी आउटफिट पर खूब जचेंगे ये फुटवियर, देंगे एलिगेंट टच

अपने लुक को भीड़ से हटकर और खूबसूरत बनाने के लिए महिलाएं कई प्रयास करती है। वे आउटफिट से लेकर फुटवियर तक हर एक चीज परफेक्ट मैच कर पहनना प्रिफर करती है। ऐसे में अगर आप भी अपने लुक को लेकर हमेशा परेशान रहती हैं और सभी के बीच अपनी खूबसूरती का जलवा बिखेरना चाहती हैं, तो आप ब्लैक कलर के किसी भी आउटफिट के साथ इन स्टाइलिश फुटवियर को ट्राई कर सकती हैं।

टो स्लिम हील्स फुटवियर

ब्लैक कलर के आउटफिट किसे पसंद नहीं होते हैं। खासकर बात करें महिलाओं की, तो उन्हें ब्लैक कलर केकपड़े बहुत पसंद आते हैं। ऐसे में अगर आप भी ब्लैक कलर का कोई भी आउटफिट ट्राई करने वाली है, तो उस आउटफिट के साथ आप इस खूबसूरत ओपन टो स्लिम हील्स फुटवियर को शामिल कर सकती हैं। यह आपके लुक को गॉर्जियस बनाने मे मदद करेगी।

स्लिम हील्स पंप फुटवियर

अगर आप किसी खास पार्टी को अटेंड करने वाली है और वहां अपनी खूबसूरती का जलवा बिखेरना चाहती है, तो अब आप अपने किसी भी ब्लैक कलर के आउटफिट के साथ इस स्टाइलिश स्लिम हील्स पंप फुटवियर को शामिल कर सकती हैं। इस तरह के फुटवियर आपको ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों जगह आसानी से मिल जाएंगे।

स्लिम हील्स सैंडल फुटवियर

ब्लैक कलर के आउटफिट किसे पसंद नहीं होते हैं। ऐसे में अगर बात करें कॉलेज या ऑफिस जाने वाली महिलाओं कि, तो वह आए दिन अपने ऑफिस और कॉलेज में ब्लैक कलर के आउटफिट पहन कर जाती है।आप भी अपने ब्लैक कलर के आउटफिट के साथ इस खूबसूरत स्लिम हील्स सैंडल फुटवियर को शामिल कर सकती हैं।

स्ट्रैपी हिल्स सैंडल

अगर आप भी ब्लैक कलर के आउटफिट के साथ पहनने के लिए फुटवियर तलाश रही है, तो आप इस खूबसूरत स्ट्रैपी हिल्स सैंडल फुटवियर को ट्राई कर सकती है। यह आपके लुक को क्लासी और मॉडर्न टच देने में मदद करेगी। इसे आप ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों जगह से खरीद सकती है। यह फुटवियर न सिर्फ आपको स्टाइलिश लुक देगा, बल्कि आपके पैरों की खूबसूरती को भी बढ़ा देगा।

वाणिज्य, उद्योग मंत्री देवांगन आज बैकुंठपुर प्रवास पर

रायपुर। प्रदेश के वाणिज्य, उद्योग एवं श्रम मंत्री श्री लखनलाल देवांगन 24 जून को एक दिवसीय कोरिया जिले के प्रवास पर रहेंगे। जहां वे आपातकाल दिवस पर प्रेसवार्ता में सम्मिलित होंगे। कैबिनेट मंत्री श्री देवांगन 24 जून को सबेरे 10.30 बजे कोरबा जिले के ग्राम चारपारा कोहडि ?ा से रवाना होकर दोपहर 12.30 बजे सर्किट हाउस बैकुंठपुर जिला कोरिया पहुंचेंगे। तत्पश्चात दोपहर 1 बजे आपातकाल विषय पर पत्रकार वार्ता को संबोधित करेंगे। वे अपरान्ह 2.30 बजे सर्किट हाउस बैकुंठपुर से प्रस्थान कर शाम 6.30 बजे राजधानी रायपुर लौट आएंगे।

न्यूज गैलरी

बलिदान दिवस पर डॉ. मुखर्जी को दी गई श्रद्धांजलि

मनेन्द्रगढ़ (अम्बिकावाणी समाचार)। भारतीय जनता पार्टी के पितृ पुरुष डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस के अवसर पर शहर के डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी वाटिका में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर भाजपा मनेन्द्रगढ़ मंडल सहित जिले भर से आए वरिष्ठ पदाधिकारियों व कार्यकताओं ने डॉ. मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए और उनके राष्ट्रवादी विचारों पर चलने का संकल्प लिया। इस अवसर पर वक्ताओं ने अपने उद्बोधन में कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी देश की एकता, अखंडता और संविधान की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले महान राष्ट्रभक्त थे। उन्होंने एक देश एक विधान एक निशान का नारा दिया और इसी सिद्धांत की रक्षा के लिए उन्होंने बलिदान दिया। कार्यक्रम के अंत में सभी कार्यकताओं ने भारत माता की जय घोष के साथ डॉ. मुखर्जी के बताए रास्ते पर चलने का संकल्प लिया।

जनजातीय वर्ग की जरूरतों को पूरा कर रहा धरती आबा अभियान

154 ग्राम पंचायतों में योजनाओं के संतृप्तिकरण के लिए हो रहे शिविर

कोरिया बैकुंठपुर - जिले में धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत विशेष शिविरों का सीधा लाभ मेहनतकश चेहरों पर खुशियों की मुस्कान ला रहा है। आज कोरिया जिले में जनभागीदारी शिविर के अंतर्गत ग्राम पंचायत जटासेमर, सतीपारा, रघुबीरपुर, गोल्हाघाट, जयपुर, कुंडेली, सरभोका, बोडार, खोड़गी, तरगवां, और अमर में शिविर लगाए गए और जनजातीय समुदाय से प्राप्त आवेदनों पर त्वरित कार्रवाई कर जनहितकारी योजनाओं से जुड़ने पर लाभ प्रदान किया गया। विदित हो कि धरती आबा जनजातीय उत्कर्ष अभियान में शामिल कोरिया जिले के १५४ चयनित आदिवासी बहुल ग्रामों में यह शिविर ३० जून २०२५ तक निरंतर आयोजित किए जाएंगे।

कलेक्टर श्रीमती चन्दन त्रिपाठी शासन के निर्देश पर जिले की चिन्हित ग्राम पंचायतों में आयोजित शिविर से जुड़कर वनवासी समुदाय को योजनाओ की जानकारी और सीधा लाभ मिल रहा है जिससे उनके जीवन में प्रकाश आने लगा है।

धरती आबा जनजातीय उत्कर्ष अभियान के तहत आज ग्राम पंचायत में आयोजित किए गए शिविर में आदिवासी लाभार्थी की संख्या कुछ इस प्रकार है

आधार कार्ड - ०५

आयुष्मान भारत कार्ड - १२

पेंशन योजना - ०२

सिकल सेल परीक्षण - ११०

जाति प्रमाण पत्र - ०७

नवीन राशन कार्ड - १२

निवास प्रमाण पत्र - ०७

पशुपालन - ०१

संलग्न - फोटो शिविर, जाती प्रमाण पत्र वितरण

उर्मिला की तरह सैकड़ों मेहनती चेहरों पर आई मुस्कान

श्रमिक कार्ड पाकर 409 श्रमिकों के चेहरे में आई मुस्कान

कोरिया बैकुंठपुर। धरती आबा जनजातीय उत्कर्ष अभियान में आयोजित किए गए शिविर में ग्राम पंचायत आमगांव में रहने वाली महिला श्रमिक श्रीमती उर्मिला किंडो को निर्माण श्रमिक के रूप में पंजीकृत करते हुए उन्हें श्रम कार्ड प्रदान किया गया। पंजीयन कार्य पूर्ण होने पर अपना कार्ड पाकर मुस्कुरा कर उर्मिला ने धरती आबा अभियान का धन्यवाद किया।

पंजीयन के पश्चात अब उर्मिला को मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक सुरक्षा उपकरण सहायता योजना के तहत १५०० रूपए की राशि प्राप्त होगी। इसके अलावा मुख्यमंत्री साइकिल सहायता योजना एवं मुख्यमंत्री सिलाई सहायता योजना के लिए पंजीयन के ९० दिवस के पश्चात पात्रता होंगी, साथ ही वीर नारायण सिंह श्रम अन्न योजना के तहत ५ में गर्म पौष्टिक भोजन प्राप्त होगा। श्रीमती उर्मिला के इकलौते पुत्र को मुख्यमंत्री नौनिहाल छात्रवृति योजना के तहत १ हजार से लेकर ५० हजार रुपए तक की राशि मिल सकेगी। आने वाले समय में उन्हें मृत्यु एवं दिव्यांग सहायता योजना, नोनी सशक्तिकरण योजना आदि से भी लाभ प्राप्त हो सकेगा।

यह विशेष रूप से उल्लेखनीय है कि कोरिया जिले में अब तक धरती आबा जनजातीय उत्कर्ष ग्राम अभियान के तहत श्रम विभाग द्वारा मोबाइल कैम्प का आयोजन कर एक सप्ताह में ४०९ श्रमिकों का श्रम पंजीयन व नवीनीकरण कार्य पूरा कर लिया गया है।

प्रत्येक योजना में समय-सीमा में कार्य पूर्णता और गुणवत्ता बेहद महत्वपूर्ण -डॉ आशुतोष

- 0 पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की सभी योजनाओं की समीक्षा बैठक सम्पन्न
- 0 लापरवाही बरतने पर सब इंजीनियर, सचिव पर कार्यवाही के निर्देश

कोरिया बैकुंठपुर – जिला पंचायत कोरिया के मंथन कक्ष में आज पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की सभी योजनाओं को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित की गई। शासन की सभी योजनाओं में प्रगति की समीक्षा करते हुए जिला पंचायत कोरिया के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ आशुतोष चतुवेर्दी ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक प्रगति को लेकर दिशा- निर्देश प्रदान किए। इस अवसर पर उप संचालक पंचायत श्रीमती ऋतु साहू, जिला पंचायत के सभी योजना प्रमुख, जनपद पंचायत बैकुंठपुर और सोनहत के सीईओ, एस डी ओ ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, कार्यक्रम अधिकारी मनरेगा और सभी ग्राम पंचायतों के सचिव और रोजगार सहायक उपस्थित रहे।

मंथन कक्ष में सीईओ जिला पंचायत ने आज प्रधानमंत्री आवास योजना, महात्मा गांधी नरेगा, मुख्यमंत्री समग्र विकास योजना, १५ वाँ वित्त योजना, शिक्षा विभाग के मरम्मत कार्य, स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण, राज्य ग्रामीण एवं अन्य पिछड़ा वर्ग विकास प्राधिकरण, जिला पंचायत विकास निधि, महतारी सदन निर्माण कार्य, आर जी एस ए एवं क्षमता विकास अंतर्गत जिले में हो रहे प्रत्येक कार्य की जनपद पंचायत वार समीक्षा की गई।

समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए डॉ आशुतोष चतुवेर्दी ने कहा कि प्रत्येक योजना में समय सीमा का विशेष रूप से ध्यान रखें और मानक अनुसार गुणवत्तापूर्ण कार्य कराना सुनिश्चित करें। प्रधानमंत्री आवास योजना में स्वीकृति प्रदान करने, गैप को कम करने, हितग्राहियों को समय पर किश्तों का आबंटन करने हेतु जीओ टैग करने के निर्देश देते हुए कहा कि जिन हितग्राहियों को आवास स्वीकृत किए गए हैं और वह ग्राम पंचायतों में नहीं रह रहे हैं उनके विलोपन हेतु आवश्यक कार्यवाही करें। प्रत्येक हितग्राही को ९० दिन का रोजगार उपलब्ध कराने के लिए प्रत्येक जिओ टैगिंग स्तर को मानक मानकर तीन चरणों में रोजगार उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। आवास योजना ग्रामीण के क्रियान्वयन में लापरवाही बरतने पर सब इंजिनियर सुश्री कीर्ति को और अनुपस्थिति पर ग्राम पंचायत सचिव लालमन पर कार्यवाही करने के निर्देश दिए। महात्मा गांधी नरेगा योजना अंतर्गत संगम अभियान में आजीविका गतिविधियों को बढ़ाते हुए महिलाओं को स्वावलंबी बनाने हेतु लगातार कार्य करने के निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि जिले में जल संरक्षण हेतु चल रहे आवा पानी झोंकी अभियान को और तेज कर सभी जगहों पर पांच परसेंट मॉडल बनाएं। साथ ही स्वीकृत समस्त मिट्टी कार्य और बीते वर्ष के सभी पूर्ण हो चुके निर्माण कार्यों को ऑनलाइन पूर्णता दर्ज करने के निर्देश दिए। जिओ टैगिंग को नियमित रूप से अपडेट करते हुए आंगनवाड़ी केंद्रों के निर्माण कार्य प्रगति पर समीक्षा करते हुए डॉ आशुतोष चतुवेर्दी ने नए स्वीकृति के प्रस्ताव भेजने और स्वीकृत प्रत्येक कार्य गुणवत्ता के साथ अविलंब पूर्ण कराने के निर्देश दिए।

स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण अंतर्गत स्वीकृत कार्यों की समीक्षा कर लंबित कार्यों को जल्द पूर्ण करने के निर्देश दिए। आगामी स्वच्छ सर्वेक्षण हेतु दीवार लेखन और वातावरण निर्माण कार्य को जल्द पूरा करने के निर्देश देते हुए जिला पंचायत सीईओ ने कहा कि सर्वेक्षण के निर्धारित सभी बिंदुओं पर ग्राम पंचायत सचिव त्वरित कार्रवाई करें। विभिन्न योजनाओं से स्वीकृत निर्माण कार्यों को जल्द पूर्ण करने के निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि राशि आवंटन होने के बाद सभी निर्माण कार्य समय पर पूर्ण कराएं।

घर-घर जाकर दी गई योजनाओं की जानकारी

मनेन्द्रगढ़ (अम्बिकावाणी समाचार)। विकासखंड खड़गवां अंतर्गत चयनित ग्राम पंचायत रतनपुर में विभागीय टीम के साथ विशेष ग्राम स्तरीय शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का नेतृत्व खड़गवां के अनुविभागीय दंडाधिकारी प्रितेश सिंह राजपूत ने किया। इस दौरान तहसीलदार, जनपद पंचायत सीईओ, बीएमओ (स्वास्थ्य), सीओ (आदिवासी विकास), महिला एवं बाल विकास अधिकारी, विद्युत विभाग के जेई, कृषि विस्तार अधिकारी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

अधिकारियों ने पैदल भ्रमण करते हुए ग्रामीणों के घर-घर जाकर उन्हें सरकार की योजनाओं की जानकारी दी। विशेष रूप से प्रधानमंत्री आवास योजना, राशन कार्ड, वृद्धा एवं विधवा पेंशन, मनरेगा जॉब कार्ड, भूमि बंटवारा, नामांतरण, सीमांकन, वन अधिकार पट्टा, जाति-निवास प्रमाण पत्र, आयुष्मान भारत कार्ड, आधार कार्ड, विद्युत कनेक्शन और बिजली के सुरक्षित उपयोग से संबंधित योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी गई। इसके साथ ही गर्भवती महिलाओं को पोषण युक्त आहार, आंगनबाड़ी के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण पोषण आहार वितरण, बच्चों के टीकाकरण और महिला स्वास्थ्य विषयों पर भी ग्रामीणों को जागरूक किया गया। शिविर के दौरान प्राप्त जनसमस्याओं का मौके पर ही समाधान करने हेतु संबंधित अधिकारियों को तत्काल निर्देश भी दिए गए।

ऑक्सीजन प्लांट-2 में आपदा प्रबंधन मॉक ड्रिल का सफल आयोजन

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र के ऑक्सीजन प्लांट-2 में आपदा प्रबंधन मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। इस अभ्यास का उद्देश्य आकस्मिक परिस्थितियों में त्वरित, समन्वित और प्रभावी प्रतिक्रिया की संस्थागत तैयारी का परीक्षण करना था। यह मॉक ड्रिल वैधानिक दिशा-निदेर्शों एवं विभागीय प्रोटोकॉल के अनुसार आयोजित की गई, जिसमें संयंत्र के विभिन्न विभागों के बीच आपसी तालमेल और आपात स्थितियों में उनकी क्रियान्वयन क्षमता का मूल्यांकन किया गया। ऑक्सीजन प्लांट-2 एक अति संवेदनशील क्षेत्र है, जहाँ 2000 टन क्षमता वाले दो तरल ऑक्सीजन टैंक स्थित हैं। मॉक ड्रिल के दौरान यह परिकल्पित किया गया कि टैंक-2 से जुड़े पंप नंबर-3 में विद्युत फॉल्ट उत्पन्न हो गया है, जिसकी मरम्मत हेतु छह सदस्यीय इलेक्ट्रिकल टीम भेजी गई। इसी बीच पंप नंबर-1 में बेल्ट घर्षण के कारण अचानक आग लग गई, जो लिक्विड ऑक्सीजन के रिसाव के चलते तीव्र हो गई। इस आग के फैलाव से कंट्रोल पैनल कक्ष के बाहर की संरचना प्रभावित हुई और तीन कर्मचारी कक्ष में फंस गए। उनमें से एक को सहकर्मियों द्वारा सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए साइट इंचार्ज श्री योगेश शर्मा ने तत्क्षण शिफ्ट इंचार्ज श्री गौरव चौधरी को सूचित किया, जिन्होंने विभागाध्यक्ष श्री पी.सी. बाग को जानकारी दी।

राज्यपाल से भिलाई स्टील प्लांट के डीजीएम ने सौजन्य भेंट की

रायपुर। राज्यपाल श्री रमेन डेका से आज यहां राजभवन में भिलाई स्टील प्लांट के डिप्टी जनरल मेनेजर श्री मुकुल सहारिया ने सौजन्य भेंट की। उनके साथ धर्मपत्नी श्रीमती नंदिता सहारिया भी उपस्थित थी, जो राज्यपाल श्री डेका के जन्मस्थान असम के ग्राम सीपाझार की निवासी हैं। श्री डेका ने श्रीमती सहारिया को उनके जन्मदिवस पर बधाई दी साथ ही उनके पुत्र को दसवीं कक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

उद्योग मंत्री ने 11 शासकीय वाहनों को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

रायपुर। वाणिज्य, उद्योग एवं श्रम मंत्री श्री लखन लाल देवांगन ने सोमवार को शंकर नगर रायपुर स्थित अपने शासकीय निवास कार्यालय से उद्योग विभाग के अधीनस्थ जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र के अधिकारियों एवं संचालनालय इंद्रावती भवन के लिए कुल 11 शासकीय वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में उद्योग विभाग के माध्यम से प्रदेश में कुल 5 लाख करोड़ रूपए के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हो चुके हैं, अधिकारियों एवं कर्मचारियों को वाहनों की कमी की वजह से फील्ड पर दौरा करने में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था, औद्योगिक क्षेत्र के नियमित दौरा करने के निर्देश पूर्व में दिए गए थे।

विज्ञापन

बैकुंठपुर स्थित फर्म ₹श्री नरेंद्र कमर्शियल₹

डिस्ट्रीब्यूटर - M.D.H. मसाले को सेल्स Representative (S.R.) की अतिशीघ्र आवश्यकता है,

- S.R. की नियुक्ति M.D.H. मसाले के कंपनी पे-रोल पर रहेगी।
- सैलरी - योग्यतानुसार
- बायो डाटा के साथ अतिशीघ्र सम्पर्क करें,
- स्थानीय युवकों को वरीयता

पता - "श्री नरेंद्र कमर्शियल" मिश्रा काम्प्लेक्स, भांड़ी, मेन रोड, बैकुंठपुर जिला कोरिया (छत्तीसगढ़)

संपर्क नंबर - 9340945160, 8889909241

अवैध उत्खनन और परिवहन पर कड़ी कार्यवाही करें - कलेक्टर श्रीमती चंदन

जिला स्तरीय टास्क फोर्स की बैठक में लिए गए कई निर्णय

कोरिया बैकुंठपुर - कलेक्टरेट सभा कक्ष में जिला स्तरीय टास्क फोर्स की बैठक सम्पन्न हुई। कलेक्टर कोरिया श्रीमती चंदन त्रिपाठी की अध्यक्षता में आयोजित हुई इस बैठक में पूरे कोरिया जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन, बिना अनुमति परिवहन एवं अवैध भण्डारण की रोकथाम के लिए कई निर्णय लिए गए। टास्क फोर्स की आज सम्पन्न बैठक के आरंभ में विगत बैठक की कार्यवाही की समीक्षा करते हुए कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी ने जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भण्डारण की रोकथाम पर कड़ी कार्यवाही करने के निर्देश दिए। इस बैठक में जिला पंचायत कोरिया के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ आशुतोष चतुवेर्दी भी शामिल थे।

कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी ने अधिकारियों से कहा कि जिले में कोयले के अवैध चोरी पर निरंतर ठोस कार्रवाई की जाए और आदतन तस्करों एवं गाड़ियों की सूची बनाकर परिवहन विभाग एवं खनिज विभाग साझा करते हुए सूचना पर समन्वय बनाकर त्वरित कार्यवाही करें। उन्होंने कहा कि जिले में अवैध उत्खनन रोकने के लिए जिले में परिवहन विभाग, खनिज, पुलिस और वन विभाग को संयुक्त रूप से टीम बनाकर अवैध खनन पर प्रभावी कार्रवाई करें। पत्थरबाजी और गाड़ी लॉक जैसी समस्याओं के समाधान के लिए पुलिस विभाग को खनि विभाग की मदद लेकर कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

बैठक में पूरे जिले में प्रधानमंत्री आवास योजना के लिए रेत परिवहन कर रही गाड़ियों के लिए जनपद स्तर पर आवश्यक दिशा-निर्देश जारी करने का भी निर्णय लिया गया ताकि अवैध खनन पर रोक लगाई जा सके। इसके अतिरिक्त बैठक में एमएसएस पर टास्क फोर्स की संयुक्त जांच, रॉयल्टी क्लीयरेंस प्राप्त करने के बाद ही निर्माण एजेंसी का भुगतान सुनिश्चित करने, निर्माण कार्यों में संभावित खनिज की मात्रा की जानकारी प्रेषित करने और कोयला खदान क्षेत्रों से खनिज निकासी एवं चोरी को रोकने के लिए प्रभावी निगरानी के निर्देश भी दिए गए। संचालनालय भौमिकी एवं खनिकर्म को इस तरह के विषयों पर आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए हैं। इस बैठक में परिवहन अधिकारी, खनिज अधिकारी, एस डी एम, वनमण्डल अधिकारी, आदिम जाति कल्याण विभाग एवं पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे।

भूमि अधिग्रहण एवं टेंडर बुलाने पूर्व डीआरयूसीसी सदस्य ने प्रधानमंत्री सहित रेलमंत्री को भेजा पत्र

चिरमिरी-नागपुर हॉल्ट न्यू रेल लाईन विस्तारीकरण परियोजना

मनेन्द्रगढ़ (अम्बिकावाणी समाचार)। रेलवे डिवीजन बिलासपुर के पूर्व डीआरयूसीसी सदस्य अधिवक्ता विजय प्रकाश पटेल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव तथा रेलवे बोर्ड अध्यक्ष सतीश कुमार को पत्र प्रेषित कर भारत के राजपत्र में 8 मई 2025 को प्रकाशित हो चुके नोटिफिकेशन के बावजूद भूमि अधिग्रहण एवं टेंडर बुलाने की कार्यवाही अविलंब किए जाने की मांग की है। अधिवक्ता पटेल ने अपने पत्र में कहा है कि क्षेत्र की बहुप्रतीक्षित एवं जीवनदायिनी परियोजना का वर्ष 2018 में भूमि पूजन संपन्न हो जाने के पश्चात 2 वर्ष में परियोजना को पूर्ण कर लेने की सार्वजनिक घोषणा की गई थी, जिसका संपूर्ण फण्ड 241 करोड़ रूपए रिलीज होकर पड़ा हुआ है। तमाम कार्यवाहियों से गुजरता हुआ लिस्टेड भूमि स्वामियों की बारीकी से जांच-पड़ताल के बाद अब भारत के राजपत्र में भी 8 मई 2025 को भू-अर्जन को लेकर नोटिफिकेशन भी प्रकाशित हो चुका है। आपत्ति करने की निर्धारित अवधि भी बीत चुकी है, लेकिन अब तक भूमि अधिग्रहण नहीं हो पाने एवं टेण्डर नहीं बुलाए जाने से प्रतीक्षारत सरगुजा एवं शहडोल दोनों संभागों के लाखों नागरिकों सहित संपूर्ण कोयलांचलवासियों में घोर हताशा, निराशा एवं असंतोष व्याप्त है। अधिवक्ता पटेल ने प्रधानमंत्री से पुनः हस्तक्षेप की मांग करते हुए संबंधित भूमि स्वामियों को उनका मुआवजा शीघ्र प्रदान कर भूमि अधिग्रहण की कार्यवाही पूर्ण करने सहित यथाशीघ्र टेण्डर बुलाए जाने का आग्रह किया है। पूर्व डीआरयूसी सदस्य ने आवश्यक कार्यवाही हेतु पत्र की प्रतिलिपि कैबिनेट मंत्री एवं क्षेत्रीय विधायक श्यामबिहारी जायसवाल, दपू मध्य रेलवे के महाप्रबंधक तरूण प्रकाश, डीआरएम राजमल खोईवाल सहित कलेक्टर एवं नोडल अधिकारी को भी प्रेषित की है।

प्रो हॉकी लीग में बेल्जियम ने भारत को 6-3 से हराया

एंटवर्प

बेल्जियम ने भारतीय हॉकी टीम को यहां चल रही एफआईएच पुरुष प्रो हॉकी लीग 2024-25 में 6-3 से हरा दिया। इस मैच में भारतीय टीम की ओर से दिलप्रीत सिंह, मनदीप सिंह और अमित रोहिदास ने एक-एक गोल किया।

बेल्जियम ने शुरुआत में ही दो गोल दागकर भारतीय टीम पर दबाव बना दिया। इसके बाद भारतीय टीम ने दिलप्रीत सिंह के 36वें मिनट और मनदीप सिंह के 38वें मिनट में किए गए गोलों से मुकाबला बराबरी पर ला दिया। भारत की ओर से अमित रोहिदास ने 56वें मिनट में गोलकर टीम को बढ़त दिला दी पर इसके बाद बेल्जियम ने अंतिम क्षणों में तीन गोल के साथ ही मुकाबला 6-3 से जीत लिया। बेल्जियम की ओर से आर्थर वैन डोरेन ने पहले और 54वें, अलेक्जेंडर हेंड्रिक्स ने 28वें, रोमन डुवेकोट ने 49वें, थिब्यू स्टॉकब्रोक्स ने 53वें और टॉम बून ने 59वें मिनट में गोल किये। बेल्जियम को मैच की शुरुआत में ही दो पेनाल्टी कॉर्नर मिले। भारतीय टीम के गोलकीपर सूरज करकेरा ने अलेक्जेंडर हेंड्रिक्स की ड्रैग-फ्लिक को रोक दिया पर आर्थर वैन डोरेन ने रिबाउंड पर गोलकर अपनी टीम को 2-0 से बढ़त दिला दी। इसके बाद भारतीय टीम ने बराबरी पर आने के लिए जमकर प्रयास किये। बेल्जियम की ओर से हेंड्रिक्स ने मध्यांतर से ठीक पहले पेनाल्टी कॉर्नर को गोल में बदला। भारतीय टीम ने तीसरे क्वार्टर की शुरुआत शानदार तरीके से की पर बेल्जियम ने भारतीय टीम की रणनीति विफल कर दी। अंतिम दस मिनटों में खेल रोमांचक हो गया और विक्टर फाबर्ट के पर पर थिब्यू स्टॉकब्रोक्स ने गोल दाग दिया। वहीं इसके बाद सर्किल के अंदर से आर्थर वान का जबरदस्त शॉट अमित रोहिदास से टकराकर नेट में जा लगा और स्कोर 5-2 पहुंच गया। अमित ने पेनाल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर भारतीय टीम की ओर से तीसरा गोल दागा पर तब तक देर हो गयी थी। अंतिम क्षणों में टॉम बून ने गोल कर बेल्जियम को जीत दिला दी।

ऋषभ के गुलाटी लगाने पर बोले शास्त्री ये उसका अपना स्टाइल

लीड्स भारतीय क्रिकेट टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत का एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। इसमें वह शतक लगाने के बाद गुलाटी लगाते हुए दिखे। अब इसी को लेकर भारतीय टीम के पूर्व कोच रवि शास्त्री और दिग्गज बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा व पूर्व क्रिकेटकीप दिनेश कार्तिक की प्रतिक्रिकेया सामने आयी है। शास्त्री ने कहा कि यह उनका अपना ही स्टाइल है। ऋषभ ने 178 गेंदों में 134 रन बनाने के साथ ही अपना सातवां शतक लगाया। शास्त्री ने कहा कि पंत शायद बहुत कम उम्र से ही जिम्नास्टिक कर रहे हैं। शास्त्री ने कहा, 'इसमें कुछ गलत नहीं है । वह ऐसा ही है और उसे ऐसा ही रहने दें। वह अलग है। बहुत कम उम्र से ही उसने काफी जिम्नास्टिक किया है। उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा, 'अगर मैने भी कोशिश की होता तो शायद सीधे पूल में जाता। ऋषभ ने साल 2022 में हुए कार हादसे के बाद वापसी करते हुए जिस प्रकार से खेल पर मैदान पर वापसी की है। इससे खेल के प्रति उनके जुनून का अंदाजा होता है। इतनी सारी सर्जरी के बाद इस तरह से उन्हें गुलाटी लगाते हुए देखकर सभी हैरान हुए हैं। वहीं बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ने कहा, 'ऋषभ तो ऋषभ है और हमेशा कुछ अलग करता है।

वह बहुत अच्छे से यह करता है।

इंग्लैंड के तेज गेंदबाज मार्क वुड की टेस्ट सीरीज में वापसी की उम्मीद

आखिरी मुकाबले को बनाया लक्ष्य

लंदन

भारत के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेल रही इंग्लैंड टीम को तेज गेंदबाजों की चोट ने परेशान कर रखा है। 20 जून से शुरू हुए पहले टेस्ट में भी इंग्लैंड अपनी पूरी ताकत के साथ मैदान पर नहीं उतर सका। अब टीम के अनुभवी पेसर मार्क वुड ने अपनी संभावित वापसी को लेकर बड़ी जानकारी दी है। घुटने की सर्जरी के बाद रिहैबिलिटेशन से गुजर रहे वुड को उम्मीद है कि वह 31 जुलाई से ओवल में खेले जाने वाले सीरीज के पांचवें और आखिरी टेस्ट तक फिट होकर चयन के लिए उपलब्ध रहेंगे। 35 वर्षीय मार्क वुड को साल की शुरुआत में चैंपियंस ट्रॉफी के दौरान बाएं घुटने में चोट लगी थी, जिसके बाद मार्च में उनकी सर्जरी कराई गई थी। वुड ने एक मीडिया से बात करते हुए कहा, ÷रिहैब अच्छा चल रहा है। मैंने हल्की गेंदबाजी शुरू कर दी है, इसलिए अब मैं वापसी की राह पर हूं। वुड ने माना कि वह अब भी भारत के खिलाफ इस सीरीज में खेलने की उम्मीद लगाए बैठे हैं और उनकी नजरें सीरीज के आखिरी टेस्ट पर टिकी हैं। उन्होंने कहा, मुझे अब भी इस सीरीज में खेलने की उम्मीद है, इसलिए मैं उन खिलाड़ियों पर नजर रख रहा हूं जिनसे मेरा सामना हो सकता है। मेरा ध्यान फिलहाल पांचवें टेस्ट पर है। हालांकि उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि ओवल टेस्ट में खेलना तय नहीं है और अंतिम फैसला उनकी फिटनेस पर निर्भर करेगा। हो सकता है कि मैं आखिरी टेस्ट में भी नहीं खेल पाऊं, लेकिन मेरा पूरा ध्यान इस पर है कि मैं उस मैच में टीम के लिए योगदान दे सकूं, वुड ने कहा। इंग्लैंड के लिए वुड की वापसी अहम साबित हो सकती है, खासकर तब जब जोफ्रा आर्चर, ओली स्टोन और मैथ्यू पॉट्स जैसे अन्य गेंदबाज भी चोटों से जूझ रहे हैं। ऐसे में वुड की फिटनेस टीम की गेंदबाजी लाइन-अप को मजबूती दे सकती है।

गाले टेस्ट के ड्रॉ होने के साथ ही डब्ल्यूटीसी अंकतालिका की शुरुआत हुई

गाले (ए) श्रीलंका और बांग्लादेश के बीच पहला क्रिकेट टेस्ट मैच ड्रॉ होने के साथ ही विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) की अंक तालिका की भी शुरुआत हो गयी है। इसमें दोनो ही टीमों को 4-4 अंक दिये गये हैं। इस मैदान पर 12 साल बाद कोई मैच ड्रॉ पर समाप्त हुआ। इससे पहले अंतिम बार जब श्रीलंका ने इस मैच पर ड्रॉ मैच खेला तब विरोध टीम बांग्लादेश थी। इसके बाद से ही यहां 26 मैच हुए हैं और हर मैच का परिणाम निकला है। गॉल टेस्ट ड्रॉ होने के बाद अब सभी की नजरें कोलंबो में 25 जून से होने वाले दूसरे मैच पर रहेंगी। दोनो ही टीमें इसे जीतकर सीरीज अपने नाम करना चाहेंगी। इसी दौरान भारत और इंग्लैंड टेस्ट का भी परिणाम आ जाएगा।

बुमराह ने रुट को दसवीं बार आउट किया, अकरम का रिकार्ड तोड़ा

लीड्स

भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने इंग्लैंड के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में एक अहम उपलब्धि अपने नाम की है। बुमराह ने इस मैच की पहली पारी में इंग्लैंड के अनुभवी बल्लेबाज जो रूट को 28 रनों पर पेवेलियन भेजा। बुमराह की गेंद पर रूट का कैच करुण नायर ने पकड़ा। इस प्रकार रुट को 10वीं बार बुमराह ने अपना शिकार बनाया। रुट ने आउट होने से पहले ओली पोप के साथ तीसरे विकेट के लिए 80 रन जोड़े। ऑल ने नाबाद 100 रन बनाये। बुमराह ने दिन भर में 48 रन देकर तीन विकेट लिए। उन्होंने इंग्लैंड की पहली पारी के पहले ओवर की अंतिम गेंद पर जैक क्रॉली को करुण के हाथों कैच आउट कराया। क्रॉली ने छह गेंदों पर चार रन बनाए। बुमराह ने बेन डकेट का भी विकेट लिया। डकेट ने 94 गेंदों पर नौ चौकों की मदद से 62 रन बनाए। डकेट का विकेट लेने के साथ ही बुमराह दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया में सबसे अधिक विकेट लेने वाले एशियाई गेंदबाज बन गये। इससे पहले इन देशों में सबसे ज्यादा टेस्ट विकेट लेने का रिकॉर्ड पाकिस्तान के अनुभवी तेज गेंदबाज वसीम अकरम का था। बुमराह ने साल 2018 को टेस्ट डेब्यू के बाद से ही इंग्लैंड में 10 टेस्ट में 40 विकेट लिए हैं, वहीं ऑस्ट्रेलिया में खेले गए 12 टेस्ट में 64 विकेट लिए हैं।

बल्लेबाजी स्टाइल में बदलाव से शुभमन बेहतर हुए : कोटक

लीड्स इंग्लैंड दौरे की शुरुआत में ही भारतीय क्रिकेट टीम के नये कप्तान शुभमन गिल ने शानदार शतक लगाया है। इससे अंदाजा होता है कि शुभमन के हौंसले बुलंद हैं। भारतीय टीम के बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने भी कहा है कि शुभमन की बल्लेबाजी बेहतर होने का कारण बल्लेबाजी स्टाइल में बदलाव करना रहा है। कोटक के अनुसार शुभमन ने ऑस्ट्रेलिया दौरे में अपनी खराब बल्लेबाजी से सबक लेते हुए अपनी तकनीक में कई बदलाव किए हैं जिसका लाभ उन्हें मिला है। साथ ही कहा कि अभ्यास के दौरान ही जब वह नेट्स में बल्लेबाजी कर रहे थे तो उनमें बदलाव देखा गया था। कोटक ने कहा,÷ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद उन्होंने कुछ चीजों के बारे में विचार

कर उनपर अमल किया। ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद चैंपियंस ट्रॉफी और फिर आईपीएल था, इसलिए वह शुभमन पर अधिक ध्यान नहीं दे पाये थे पर ये साफ है कि उन्होंने कुछ चीजों पर काम किया और जैसे ही मैंने उन्हें नेट्स में देखा, मैंने उनसे बात की कि 'आपने कुछ बदलाव किए हैं' और उन्होंने हां कहा। उन्हें इस बात का श्रेय जाता है कि उन्होंने अपना विश्लेषण किया और मुझे लगता है कि उन्होंने इसे बहुत अच्छी तरह से लागू भी किया। शुभमन ने ऑस्ट्रेलिया में तीन टेस्ट खेलकर पांच पारियों में केवल 93 रन बनाए थे। वहीं अब कप्तानी करते हुए उन्होंने एक ही पारी में इससे अधिक रन बना लिए हैं। उनकी 147 रनों की पारी से भारतीय टीम पहली पारी में 471 रन तक पहुंची हैं जिसके जवाब में इंग्लैंड ने दूसरे दिन तीन विकेट पर 209 रन बनाये। वहीं उन्होंने आक्रामक बल्लेबाज ऋषभ पंत के बारे में भी कहा कि वह अपनी अपनी योजनाएं खुद बनाते हैं और तय करते हैं कि कैसे खेलना है और फिर बल्लेबाजी करते जिन्होंने यहां पहली ही पारी में 178 गेंदों पर 134 रन बनाए। साथ ही कहा कि ऋषभ की ये पारी सामान्य शैली से थोड़ी अलग थी पर ये उनकी योजना का ही हिस्सा था। वह पिछले कुछ समय से रन नहीं बना पाये थे जिसको देखते हुए अन्होंन इस पारी में अपना अंदाज बदला है। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया दौर में उनपर लापरवाही से बल्लेबाजी के आरोप लगे थे।

रूट ने सचिन का रिकॉर्ड तोड़ा

लीड्स

इंग्लैंड के अनुभवी बल्लेबाज जो रुट ने भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाफ यहां पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में हालांकि 28 रन ही बनाये पर उन्होंने एक बड़ा रिकार्ड अपने नाम कर लिया। वह रिकार्ड है भारतीय टीम के खिलाफ अपनी धरती पर सबसे अधिक 1602 रन बनाने का। इससे पहले ये रिकार्ड सचिन तेंदुलकर के नाम था।

सचिन ने साल 2011 में अंतिम बार इंग्लैंड का दौरा किया था और उनके नाम यहां 1575 रन हैं। अब 14 साल बाद अब जाकर उनका यह रिकॉर्ड कोई खिलाड़ी तोड़ पाया है। रूट ने अपनी इस पारी के दौरान अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की दौड़ में श्रीलंका के सनत जयसूर्या को भी पीछे छोड़ दिया है। रूट अपनी इस 28 रनों की पारी से भारत-इंग्लैंड टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। वहीं इस सूची में तीसरे और चौथे नंबर पर भारत के ही राहुल द्रविड़ 1376 और सुनील गावस्कर 1152 रन हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में श्रीलंका के अनुभवी बल्लेबाज सनथ जयसूर्या 9वें नंबर पर पहुंच गए हैं। रूट के नाम अब 21,053 रन हो गए हैं। वहीं इस सूची में सचिन तेंदुलकर 34357 रनों के साथ नंबर एक पर हैं। रूट इंग्लैंड की ओर से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं।

ट्रोल्स को आरजे महवश का करारा जवाब, बोलीं- '2019 से इंडस्ट्री में हूं

नई दिल्ली सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग आज आम हो गई है, लेकिन कुछ सितारे ऐसे भी हैं जो चुप रहने के बजाय तीखे और तथ्यों से भरपूर जवाब देना जानते हैं। ऐसी ही एक मिसाल पेश की है आरजे महवश ने, जिन्हें हाल ही में फिर से ट्रोल किया गया कि क्रिकेटर युजवेंद्र चहल ने उनका करियर बना दिया। लेकिन इस बार महवश ने चुप्पी नहीं साधी बल्कि अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा कर आलोचकों को करारा जवाब दिया। वीडियो की शुरुआत एक कमेंट के स्क्रीनशॉट से होती है जिसमें लिखा गया है, युजी भाई ने इसका करियर बना दिया। इसके जवाब में महवश कहती हैं, 2019 से इस इंडस्ट्री में हूं, आओ इससे पहले का अपना करियर दिखाती हूं। इसके बाद उन्होंने अपने प्रोडक्शन हाउस की शुरुआत और नवाजुद्दीन सिद्दीकी के साथ फिल्म 'सेक्शन 108' की झलक दिखाकर साफ कर दिया कि उनका करियर किसी के भरोसे नहीं बना। इतना ही नहीं, एक और कमेंट को पढ़ते हुए उन्होंने कहा, जब तू पैदा भी नहीं हुआ था न छोटू, तब से क्रिकेट शोज होस्ट कर रही हूं। 2019 से पिच पर हूं, व्हाट्सएप

कैलीफेर्निया में फीफा क्लब विश्वकप में खेलते हुए रिवर प्लेट और सीएफ मोंटेरी के खिलाड़ी।

शुभमन गिल को बनना होगा कपिल देव जैसा लीडर : योगराज सिंह

मोहाली

भारत के पूर्व क्रिकेटर योगराज सिंह का मानना है कि टीम इंडिया के नए टेस्ट कप्तान शुभमन गिल को इंग्लैंड के खिलाफ अपनी पहली सीरीज में आगे बढ़कर नेतृत्व करना होगा, ठीक उसी तरह जैसे कपिल देव ने 1983 के विश्व कप में किया था। भारत अब टेस्ट क्रिकेट के एक नए दौर में प्रवेश कर रहा है, क्योंकि हाल ही में विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे दिग्गज खिलाड़ियों ने टेस्ट प्रारूप से संन्यास ले लिया है। इनके जाने के बाद टीम में युवा खिलाड़ियों को मौका दिया जा रहा है और एक नई लीडरशिप की शुरुआत हो रही है। योगराज सिंह ने कहा कि शुभमन गिल को न केवल अपने व्यक्तिगत प्रदर्शन पर ध्यान देना चाहिए बल्कि टीम को भी अपने साथ लेकर चलना होगा। उन्होंने सलाह दी कि गिल को बल्लेबाजी करते समय खुद के लिए ऊंचे लक्ष्य तय करने चाहिए जैसे 100, 200 या यहां तक कि 300 रन और क्रीज पर लंबे समय तक टिके रहना चाहिए। उनके अनुसार, गिल को सिर्फ कप्तानी का बो[illegible] उठाना, बल्कि प्रेरणा स्रोत टीम का नेतृत्व करना होगा इस समय रविचंद्रन अश्विन जस अनुभवी स्पिनर की भी कमी महसूस करेगा, जिन्होंने ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के बीच में ही टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह दिया था। ऐसे में गेंदबाजी विभाग में भी युवा खिलाड़ियों को खुद को साबित करने का मौका मिलेगा।

योगराज सिंह को भरोसा है कि अगर शुभमन गिल ने सकारात्मक और प्रेरणादायक नेतृत्व दिखाया, तो भारत के पास इंग्लैंड को उसके ही घर में हराकर 2007 के बाद पहली बार कोई विदेशी टेस्ट सीरीज जीतने का सुनहरा मौका है। उन्होंने कहा कि उन्होंने युवराज सिंह से भी गिल और अभिषेक शर्मा को लेकर चर्चा की है और दोनों ही खिलाड़ियों को नेतृत्वकारी [illegible] रहेगा।

बुमराह को बार-बार गेंदबाजी के लिए लगाने से उनपर दबाव पड़ेगा : कार्तिक

लीड्स पूर्व क्रिकेटर दिनेश कार्तिक ने कहा है कि मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह पर जरुरत से अधिक दबाव नुकसानदेह रहेगा। बुमराह ने इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट के दूसरे दिन ने 13 ओवर गेंदबाजी की थी और तीन विकेट लिए थे। वहीं अन्य गेंदबाज मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, रवींद्र जडेजा और शार्दुल ठाकुर ने 36 ओवर किये पर एक भी विकेट नहीं ले पाये। ऐसे में विकेट के लिए बार-बार उन्हें लाना पड रहा था। कार्तिक ने इसी को लेकर चिंता जताई और कहा है कि कप्तान को बुमराह पर ज्यादा दबाव नहीं डालने अन्य गेंदबाजों को बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करना होगा। इस पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज ने कहा, बुमराह और बाकी गेंदबाजों के बीच बहुत ज्यादा अंतर रहा। इंग्लैंड के बल्लेबाजों को देखकर लग रहा था कि वे किसी प्रका बुमराह का स्पेल निकला देना चाह रहे थे जिससे उनके पास बाद के ओवरों में अधिक अच्छा अवसर रहे।' इससे भारतीय कप्तान पर दबाव पड़ेगा और वह बुमराह के पास जाएंगे।' साथ ही कहा कि बुमराह को अपने शरीर का भी ध्यान रखना होगा। कार्तिक ने साथ ही कहा, ऑस्ट्रेलिया दौरे के पांचवें टेस्ट में थकान के कारण ही बुमराह ने कप्तानी की दौड़ से अपने को बाहर कर लिया था। उन्होंने इंग्लैंड दौरे के पहले ही घोषणा कर दी है कि वह इस सीरीज में केवल तीन टेस्ट ही खेल सकते हैं।

उबली हुई सब्जियां, नारियल पानी शामिल हैं नीरज की डाइट में

नईदिल्ली

खेल प्रेमियों के लिए शुक्रवार का दिन खास रहा, जब ओलंपिक चैंपियन नीरज चोपड़ा ने एक बार फिर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए पेरिस डायमंड लीग का खिताब अपने नाम कर लिया। उन्होंने अपने पहले ही प्रयास में 88.16 मीटर दूर भाला फेंककर मुकाबले में बढ़त बना ली, जो अंत तक कायम रही। उनके पुराने प्रतिद्वंद्वी जूलियन वेबर 87.88 मीटर के थ्रो के साथ दूसरे स्थान पर रहे। यह जीत नीरज के लिए खास इसलिए भी रही क्योंकि इससे पहले वह दोहा डायमंड लीग और जानुज कुसोसिंस्की मेमोरियल में लगातार दो बार दूसरे स्थान पर रहे थे, जिनमें स्वर्ण पदक वेबर ने जीता था। नीरज की यह वापसी सिर्फ तकनीकी नहीं, मानसिक रूप से भी प्रेरणादायक रही। टोक्यो ओलंपिक 2020 में स्वर्ण पदक जीतकर वह ऐसा करने वाले पहले एशियाई भाला फेंक एथलीट बने थे। इसके बाद उन्होंने 2023 में वर्ल्ड चैंपियनशिप में गोल्ड जीतकर इतिहास रचा और फिर पेरिस ओलंपिक में रजत पदक हासिल किया। लगातार अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रदर्शन करते हुए नीरज ने खुद को दुनिया के सर्वश्रेष्ठ भाला फेंक खिलाड़ियों में शामिल कर लिया है।

खेल में उत्कृष्टता के पीछे सिर्फ अभ्यास नहीं, बल्कि अनुशासित जीवनशैली और सटीक डाइट का भी बड़ा योगदान होता है। नीरज चोपड़ा इसका जीता-जागता उदाहरण हैं।

कभी पूर्ण रूप से शाकाहारी रहे नीरज अब प्रोटीन युक्त और बैलेंस्ड डाइट लेते हैं। उनका दिन नाश्ते में ओट्स, अंडे, फल और नारियल पानी से शुरू होता है। दोपहर को वे दही-चावल, दाल, सब्जियां और ग्रिल्ड चिकन लेते हैं, जबकि ट्रेनिंग के बीच चिया सीड्स, सूखे मेवे और फल उनके ऊर्जा स्रोत होते हैं। रात को उबली सब्जियां, सूप और सलाद लेते हैं और सोने से पहले दूध और खजूर से दिन खत्म करते हैं। नीरज मानते हैं कि प्राकृतिक और संतुलित आहार ही फिटनेस की कुंजी है।

7 जुलाई को आएंगे कांग्रेसाध्यक्ष खरगे, रायपुर में करेंगे जनसभा

रायपुर। कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी सचिन पायलट ने सोमवार को राजीव भवन में पोलिटिकल अफेयर्स कमेटी की बैठक ली जिसमें कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे के दौरे पर चर्चा की गई। प्रदेश प्रभारी पायलट ने बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष खरगे ने छत्तीसगढ़ दौरे पर सहमति दे दी है और वे 7 जुलाई यहां आएंगे। उनके साथ ही प्रभारी महासचिव केसी वेणुगोपाल भी यहां पहुंच रहे हैं और वे अब तक के संगठन के कामकाज की समीक्षा करेंगे। श्री खरगे 7 जुलाई को रायपुर में संविधान बचाओ रैली जनसभा को संबोधित करेंगे जिसके लिए स्थान प्रदेश के नेताओं को तय करने कहा गया है। बैठक में प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत सहित कई पूर्व मंत्री, पूर्व विधायक और वरिष्ठ कांग्रेसजन उपस्थित थे।

न्यूज गैलरी

मुख्यमंत्री ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज अपने निवास कार्यालय में भारत के प्रथम उद्योग मंत्री, महान शिक्षाविद्, और भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि पर उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री ने राष्ट्र निर्माण में डॉ. मुखर्जी के अतुलनीय योगदान को स्मरण करते हुए उन्हें नमन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने देश की एकता, सामाजिक न्याय और आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना को साकार करने के लिए अपने जीवन का प्रत्येक क्षण समर्पित किया। वे न केवल कुशल संगठक थे, बल्कि दूरदर्शी राष्ट्रनायक भी थे, जिन्होंने भारतीय राजनीति को राष्ट्रीयता और सांस्कृतिक अस्मिता के सुदृढ़ सूत्र में पिरोया। साय ने कहा कि भारतीय जनसंघ की स्थापना के माध्यम से डॉ. मुखर्जी ने एक ऐसी विचारधारा को जन्म दिया, जिसने देश को राष्ट्रीय हित में सोचने और कार्य करने की नई दृष्टि प्रदान की। उनके विचार आज भी हमारी लोकतांत्रिक चेतना को दिशा देते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जीवन हमें सिखाता है कि राष्ट्रसेवा आजीवन साधना और तपस्या है। उनका समर्पण और उच्च आदर्श आज भी हम सभी के लिए प्रेरणा का प्रकाशस्तंभ हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम सभी उनके दिखाए मार्ग पर चलकर समृद्ध, सशक्त और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के लिए दृढ़संकल्पित हैं।

शाह के साथ सीएम साय जा रहे हैं वाराणसी, सेंन्ट्रल जोन कौंसिल की बैठक में होंगे शामिल

रायपुर। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह व मुख्यमंत्री विष्णुदेव आज दोपहर 3.20 बजे बीएसएफ के विमान से वाराणसी जा रहे हैं। आज शाम 5 बजे सीएम साय काल भैरव दर्शन व पूजन कार्यक्रम में शामिल होंगे। रात्रि विश्राम के पश्चात 24 जून की सुबह 8.30 से 9.30 बजे के बीच काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन व पूजन कार्यक्रम में शामिल रहेंगे। पश्चात सुबह 11 से दोपहर 2 बजे तक सेन्ट्रल जोन कौंसिल की बैठक में हिस्सा लेंगे जिसमें एमपी यूपी उत्तराखंड के सीएम भी शामिल हो रहे हैं। बीते डेढ़ वर्ष में परिषद की यह पहली बैठक है। साय इस बैठक के बाद दिल्ली जाएंगे जहां रात्रि विश्राम करेंगे। बुधवार को वापसी का समय तय नहीं है।

नक्सलियों के खिलाफ कार्रवाई सबको कॉन्फिडेंस में ले कर करे सरकार- सचिन पायलट

रायपुर। प्रदेश काग्रेस के प्रभारी महासचिव सचिन पायलट दो दिन के रायपुर प्रवास पर पहुंचे। विमानतल पर मीडिय से चर्चा में गृहमंत्री शाह के बयान पर कहा कि हम हिंसा के खिलाफ हैं। नक्सलियों के खिलाफ पारदर्शी तरीके से कार्रवाई होना चाहिए, आंतरिक सुरक्षा का विषय है इसे पोलाइट्स नहीं करना चाहिए। सबको कॉन्फिडेंस में ले कर कार्रवाई करना चाहिए।नक्सली खात्मे के टारगेट पर कहा कि सोच समझ कर कठोर कदम उठाने चाहिए। हमारे जवान जान पर खेल कर अपनी भूमिका निभाते है। लोगों की जवाबदेही हो और इसका लाभ जनता तक पहुंचे।

पायलट ने ये भी कहा कि पार्टी पदाधिकारियों ने अब तक जो काम किए हैं उसकी रिपोर्ट लेंगे। भविष्य की रूपरेखा तैयार करेंगे। 2025 का वर्ष राहुल और खडगे जी ने संगठन के लिए समर्पित किया है। बूथ से लेकर प्रदेश लेवल तक जो जो बदलाव करना है उस पर विस्तार से चर्चा होगी।

पायलट ने कहा विधायकों से भी चर्चा करेंगे। हमारे विधायकों ने सदन के अंदर प्रभावशाली तौर पर सारे मुद्दों को उठाया है, मानसून सत्र को लेकर रणनीति बनाएंगे। सचिन ने आरोप लगाया है कि छत्तीसगढ़ में कानून व्यवस्था लचर है, लगता है यहां पर दिल्ली का नियंत्रण ज्यादा है और रायपुर का कम।

हमारी सरकार छत्तीसगढ़ से चलती है, उनकी इटली से चलती थी- विजय शर्मा

छत्तीसगढ़ कांग्रेस के प्रभारी महासचिव सचिन पायलट ने सोमवार को रायपुर में कहा कि, यहां के सारे फैसले दिल्ली से होते हैं। उनके इस बयान पर डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने पलटवार किया है। श्री शर्मा ने कहा है कि हमारी सरकार छत्तीसगढ़ से चलती है, उनकी इटली से चलती थी। नक्सलियों के खिलाफ कारगर व ठोस कार्रवाई होते देख पायलट को अच्छा नहीं लग रहा। इसलिए बेतुका बयानबाजी कर रहे हैं।

निशाने पर महंत या कोई और..पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी की बैठक में भड़के भूपेश

रायपुर। छत्तीसगढ़ कांग्रेस पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी की बैठक में आज पूर्व मुख्यमंत्री व पंजाब कांग्रेस के प्रभारी महामंत्री भूपेश बघेल भड़क उठे. उन्होंने राज्य के कुछ बड़े नेताओं की चुप्पी को लेकर अपनी कड़ी नाराजगी व्यक्त की है.हालांकि उन्होने सीधे तौर पर नेता प्रतिपक्ष महंत का नाम तो नहीं लिया,लेकिन उन्ही की ओर मुखातिब होते हुए सवाल किया कि आखिर हमारे ही कुछ सीनियर नेता बचते रहते हैं. वे राज्य के मुद्दों और सरकार के खिलाफ सीधा हमला नहीं करते. ऐसे में जनता के बीच हम अपनी मजबूत मौजूदगी कैसे दर्ज कराएंगे ? भूपेश का यह सवाल सियासी गलियारे में चर्चा का विषय बन गया।

इसके अलावा भूपेश बघेल ने कांग्रेस में अनुशासनहीनता को लेकर भी नाराजगी जताई। बघेल ने कहा कोई भी नेता कुछ भी बयान दे देता है, किसी के खिलाफ कोई भी टिप्पणी करता है, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं होती। राजनांदगांव में एक नेता ने मेरे खिलाफ बयान दिया, उस पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। भूपेश बघेल ने कहा कि पार्टी में अनुशासन का होना बहुत जरूरी है। वरना इसी तरह कोई भी किसी के खिलाफ कुछ भी बोलता रहेगा।

बता दें कि आज एआईसीसी राष्ट्रीय सचिवगण एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं की उपस्थिति में प्रदेश कांग्रेस की पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी की बैठक थी। राजीव भवन में एआईसीसी महासचिव एवं छत्तीसगढ़ प्रदेश प्रभारी सचिन पायलट की अध्यक्षता में, प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज, एआईसीसी राष्ट्रीय महामंत्री भूपेश बघेल, नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत, पूर्व उप मुख्यमंत्री टी एस सिंह देव,कई पूर्व मंत्री,पूर्व विधायक और वरिष्ठ नेतागण मौजूद रहे।

25 जून को संविधान हत्या दिवस के रुप में मनाया जायेगा

रायपुर। 25 जून को वर्ष 1975 में तत्कालीन प्रधानमंत्री द्वारा देश में लगाए गए आपातकाल के 50 वर्ष पूरे हो रहे है। वैसे तो भाजपा हर साल आपातकाल दिवस का आयोजन करती रही है, लेकिन इस बार 25 जून को संविधान हत्या दिवस का नाम दिया गया है। इस दिन पूरे प्रदेश में जिला स्तर पर विशेष आयोजन किए जाएंगे। पार्टी ने पहले ही इसके लिए जिलेवार प्रभार सौंप दिए हैं। भाजपा इस कार्यक्रम के माध्यम से जनता को बताएगी कि 25 जून 1975 को देश के लोकतंत्र की हत्या हुई थी। यह भारतीय संविधान और मूलभूत अधिकारों पर सीधा हमला था। इस दिन को युवा पीढ़ी को याद दिलाया जाएगा कि लोकतंत्र की कितनी कीमत चुकाकर अधिकारों की रक्षा की है। भाजपा द्वारा इस अवसर पर सभी जिलों में आपातकाल की घटनाओं पर आधारित प्रदर्शनी लगाई जाएगी, साथ ही, उस काल में लोकतंत्र की रक्षा के लिए संघर्ष करने वाले लोकतंत्र सेनानियों का सार्वजनिक सम्मान भी किया जाएगा। जिन लोगों ने आपातकाल के दौरान यातनाएं झेली थी उनके व परिजनों का सम्मान किया जायेगा।

हर रुपये का सही उपयोग और हर योजना का सही मूल्यांकन, यही अच्छे शासन की नींव है - बृजमोहन

मुंबई/रायपुर। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की अध्यक्षता में सोमवार को मुंबई में संसद और राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों की विधानमंडलीय निकायों की प्राक्कलन समितियों के राष्ट्रीय सम्मेलन में सहभागिता की। बैठक में सांसद बृजमोहन अग्रवाल भी शामिल हुए। प्रशासन में दक्षता और मितव्ययिता सुनिश्चित करने हेतु बजट प्राक्कलनों की प्रभावी निगरानी और समीक्षा में प्राक्कलन समिति की भूमिका पर यह बैठक थी। सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि, हर रुपये का सही उपयोग और हर योजना का सही मूल्यांकन, यही अच्छे शासन की नींव है। श्री अग्रवाल ने कहा कि यह राष्ट्रीय सम्मेलन बजट के प्रभावी उपयोग, पारदर्शिता तथा जवाबदेही को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने बताया कि समिति सदस्यों और विभिन्न राज्यों के प्रतिनिधियों के साथ हुई सार्थक चर्चा में प्रशासनिक प्रणाली को और अधिक प्रभावी बनाने के सुझाव साझा किए गए।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का बलिदान राष्ट्रभक्ति और एकता की अमिट प्रेरणा है - मंत्री राजवाड़े

रायपुर। एक राष्ट्र, एक विधान, एक निशान के प्रबल पक्षधर और भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि पर आज महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने नवा रायपुर स्थित अपने निवास कार्यालय में उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि डॉ. मुखर्जी का जीवन और उनका बलिदान राष्ट्र की एकता, अखंडता और संप्रभुता के लिए सदैव स्मरणीय रहेगा। उन्होंने अपने सिद्धांतों और विचारों के लिए अतुलनीय संघर्ष किया और जम्मू-कश्मीर को भारत का अभिन्न अंग बनाए रखने के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जैसे राष्ट्रनायकों की तपस्या और त्याग आज की पीढ़ी के लिए मार्गदर्शक हैं।

डॉ. मुखर्जी ने अखंड भारत की संकल्पना को साकार करने अपना पूरा जीवन अर्पित कर दिया : देव

00 बलिदान दिवस पर डॉ. मुखर्जी को दी गई श्रद्धांजलि

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी ने सोमवार को पूरे प्रदेश में भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी के बलिदान जिवस (23 जून) पर विभिन्न कार्यक्रम रखकर उन्हें श्रद्धापूर्वक स्मरण किया और उनके बताए मार्ग पर चलकर शक्तिशाली, समृद्धशाली और स्वाभिमानी भारत के संकल्प को पूर्ण करने की प्रतिबद्धता दुहराई। भाजपा प्रदेश कार्यालय में डॉ. मुखर्जी की पुण्यतिथि पर कुशाभाऊ ठाकरे परिसर स्थित स्मृति मंदिर में उनकी प्रतिमा पर क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जमवाल, प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष धरमलाल कौशिक, भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय, प्रदेश उपाध्यक्ष भूपेंद्र सवन्नी, प्रदेश मीडिया प्रभारी अमित चिमनानी, पूर्व विधायक लाभचंद बाफना, शंभू गुप्ता, किरण बघेल सहित पदाधिकारियों ने पुष्पांजलि अर्पित की।

इस मौके पर प्रदेश अध्यक्ष श्री देव ने कहा कि विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी के रूप में भाजपा केंद्र सहित अनेक राज्यों में सत्तासीन है जो हमारे महापुरुषों की तपस्या व बलिदान के कारण ही संभव हो पाया है। डॉ. मुखर्जी के आदर्शों को अपनाकर उनके विचारों को साकार रूप प्रदान करना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है। श्री देव ने कहा कि जिस प्रकार लौहपुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल ने खंड-खंड हो रहे देश को अखंड बनाया, उसी प्रकार डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने अखंड भारत की संकल्पना को साकार करने के लिए अपना पूरा जीवन अर्पित कर दिया। डॉ. मुखर्जी केवल राजनीतिक कार्यकर्ता नहीं थे। उनके जीवन से ही राजनीतिक दलों के कार्यकताओं को सीख लेनी चाहिए। उनका स्वयं का जीवन प्रेरणादायी, अनुशासित तथा निष्कलंक था। राजनीति उनके लिए राष्ट्र की सेवा का साधन थी। डॉ. मुखर्जी ने राष्ट्रनीति के लिए राजनीति में पदार्पण किया। वे देश की सत्ता चाहते तो थे, किंतु उनका विचार था कि सत्ता उनके हाथों में जानी चाहिए, जो राजनीति का उपयोग राष्ट्रनीति के लिए कर सकें। आज केंद्र समेत विभिन्न राज्यों में सत्तारूढ़ भाजपा उनके आदर्शों से अनुप्राणित होकर कार्य कर रही है।

जिला कार्यालय में भी दी गई श्रद्धांजलि

भाजपा जिला कार्यालय (एकात्म परिसर) में डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर प्रदेश महामंत्री संजय श्रीवास्तव, विधायक सुनील सोनी, राजीव अग्रवाल और शहर जिला भाजपा अध्यक्ष रमेश ठाकुर ने कार्यक्रम को सम्बोधित किया। कार्यक्रम का संचालन शहर जिला महामंत्री सत्यम दुवा ने किया।इस अवसर पर छगनलाल मूंदड़ा, अमरजीतसिंह छाबड़ा, पूर्व जिला अध्यक्ष जयंती पटेल, सुभाष अग्रवाल, पूर्व विधायक द्वय नन्दे साहू व श्रीचंद सुन्दरानी, किशोर महानन्द, सच्चिदानंद उपासने, सुभाष तिवारी, नगर निगम सभापति सूर्यकांत राठौर, वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष सलीम राज सहित वरिष्ठ भाजपाजन मौजूद रहे।

शहादत को नमन: केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने शहीद आकाश राव गिरिपुंजे के परिजनों से की मुलाकात

रायपुर। केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने नवा रायपुर में सुकमा में आईईडी विस्फोट में शहीद श्री आकाश राव गिरिपुंजे के परिजनों से सौजन्य भेंट की। उन्होंने शोकाकुल परिवार से मुलाकात कर गहरी संवेदना व्यक्त की और उन्हें सांत्वना प्रदान की।

केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने शहीद अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आकाश राव गिरिपुंजे की वीरता और बलिदान की सराहना करते हुए कहा कि उनकी शहादत देश के लिए अविस्मरणीय है। उन्होंने जोर देकर कहा कि देश हमेशा उनके बलिदान का ऋणी रहेगा और उनकी शहादत को कभी व्यर्थ नहीं जाने दिया जाएगा। श्री शाह ने शहीद के साहस को प्रेरणादायी बताते हुए उनके योगदान को राष्ट्र के लिए अमूल्य करार दिया।

इस अवसर पर श्री शाह ने शहीद के परिजनों को आश्वासन दिया कि सरकार उनके साथ हर कदम पर खड़ी है। उन्होंने कहा कि सरकार शहीदों के परिवारों को हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय और राज्य के गृह मंत्री श्री विजय शर्मा भी उपस्थित थे।

◆ स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक- महेन्द्र सिंह टुटेजा, नरेन्द्र सिंह टुटेजा द्वारा टुटेजा मीडिया पब्लिकेशन (एन.एच. नं. 43अ.पुर) से मुद्रित एवं स्कूल रोड, बैकुण्ठपुर (कोरिया) से प्रकाशित 0 प्रधान संपादक- महेन्द्र सिंह टुटेजा, Mo. 8223000155, 94252 56303, 98261 83780 ● RNI No. 71235/98◆ डाक पंजीयन क्र./छ.ग./रायगढ़/सी.ओ./रायपुर05/2005 से2006 ■ Email- ambikavanisurguja@gmail.com